mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-04 अंक-157 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
07 जून 2024 शुक्रवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

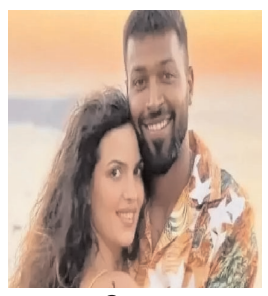

अब भी पंड्या ... @ पेज-7

कोर्ट ने हिमाचल को दिया अधिक पानी छोड़ने का आदेश

सुप्रीम आदेश के बाद जल्द बुझेगी दिल्ली की प्यास

नई दिल्ली (एजेंसी)। पानी की किल्लत से जूझ रहे दिल्ली के लोगों के लिए राहत की खबर है। सुप्रीम कोर्ट ने हिमाचल प्रदेश सरकार को शुक्रवार को 137 क्यूसेक अतिरिक्त पानी छोड़ने का निर्देश दिया है, ताकि देश की राजधानी में पेयजल संकट को कम किया जा सके। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि हिमाचल प्रदेश ने अतिरिक्त पानी छोड़ने पर सहमति जताई है। वहीं, हरियाणा की सरकार से कहा है कि वह वजीराबाद बैराज के जरिए दिल्ली तक पानी छोड़ने में मदद करे। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली की सरकार को यह भी निर्देश दिया है कि पानी की बर्बादी न हो इसके लिए सभी कदम उठाए जाएं। जस्टिस पीके मिश्रा और के वी विश्वनाथन की वेकेशन बेंच ने 7 जून से ही पानी छोड़ने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने दिल्ली सरकार से कहा- पानी की बर्बादी नहीं होनी चाहिए, न ही कोई राजनीति होनी चाहिए। कोर्ट ने सभी पक्षों से सोमवार 10 जून तक इस मामले पर रिपोर्ट सौंपने कहा है। दिल्ली सरकार ने जल सकंट पर 31 मई को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। इसमें हरियाणा, उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश को दिल्ली को एक महीने तक एक्स्ट्रा पानी छोड़ने का निर्देश देने की मांग की गई थी। दिल्ली में जल संकट के दो कारण हैं- गर्मी और पड़ोसी राज्यों पर निर्भरता। दिल्ली के पास अपना कोई जल स्रोत नहीं है। पानी के लिए यह पड़ोसी राज्यों पर निर्भर है। दिल्ली जल बोर्ड के मुताबिक इस साल दिल्ली जरूरत हर दिन 32.1 करोड़ गैलन प्रति दिन पानी की कमी से जूझ रहा है। दिल्ली जल बोर्ड के मुताबिक राज्य को रोजाना 129 करोड़ गैलन पानी की जरूरत है लेकिन गर्मियों में केवल 96.9 करोड़ गैलन प्रति दिन ही मांग पूरी हो पा रही है। यानी दिल्ली की 2.30 करोड़ आबादी को हर दिन 129 करोड़ गैलन पानी चाहिए, लेकिन उसे सिर्फ 96.9 करोड़ गैलन पानी ही मिल रहा है। दिल्ली में पानी की जरूरत हरियाणा सरकार यमुना नदी से, उत्तर प्रदेश सरकार गंगा नदी से और पंजाब सरकार भाखरा नांगल से मिले पानी से पूरी करती है।

संक्षिप्त समाचार

नतीजों के बाद महाराष्ट्र में होने वाला है बड़ा 'खेला'

शरद पवार के संपर्क में हैं अजीत पवार गुट के 15 विधायक

मुंबई (एजेंसी)। लोकसभा चुनावों में एनडीए की हार के बाद महाराष्ट्र की सियासत गरमा गई है। शरद पवार गुट की तरफ से दावा किया गया है कि अजित पवार के 15 से अधिक विधायक पार्टी प्रमुख के संपर्क में है। इस दावे के बाद राज्य में सियासी हलचल बढ़ गई है। दावा किया जा रहा है कि लोकसभा चुनावों में विपक्षी गठबंधन महाविकास आघाडी (एमवीए) के 30 सीटें जीतने के बाद एनसीपी के 15 से

अधिक विधायक फिर शरद पवार गुट में वापसी कर सकते हैं। शरद पवार के खेमे से यह दावा रोहित पवार ने किया है। सियासी उथल-पुथल के बीच अजित पवार भी विधायकों और नेताओं के साथ बैठक करने वाले हैं। अगर ऐसा होता है तो एकनाथ शिंदे की अगुवाई में चल ही महायुति सरकार पर संकट बढ़ सकता है। 10 महीने पहले अजित पवार ने अपने चाचा शरद पवार को छोड़कर महायुति में चले गए थे। बारामती में करारी हार के बाद अजित पवार खेमा बैकफुट पर है।

मोदी को 'कमजोर' करने वाले मुखिया पर गिरेगी गाज!

इस 'परीक्षा' से पहले बीजेपी ले सकती है बड़ा फैसला

जयपुर (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव 2024 में बीजेपी सरकार बनाने के लिए अपने दम पर बहुमत का आंकड़ा भी नहीं छू पाई। सरकार बनाने के लिए बीजेपी को अब अपने सहयोगी दलों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। दो बार पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने वाली बीजेपी के लिए इस बार राजस्थान से भी काफी निराशाजनक प्रदर्शन रहा। राजस्थान में 10 साल बाद 11 सीटों का नुकसान हुआ। ऐसे में सियासी चर्चा शुरू हो

गई है कि क्या बीजेपी राजस्थान में हार को लेकर जिम्मेदारी तय करेगी। क्या राजस्थान में बीजेपी का नेतृत्व बदला जाएगा। इसको लेकर तमाम तरह की सियासी चर्चाएं शुरू हो गई हैं। कयास है कि खराब प्रदर्शन के चलते अब राजस्थान बीजेपी के मुखिया का बदला जाना तय है। विधानसभा चुनाव 2023 और लोकसभा चुनाव 2024 के बाद पार्टी आगामी पालिका चुनाव को बड़ी परीक्षा के रूप में लेगी। ऐसे में यह बदलाव पालिका चुनाव से पहले ही देखा जा सकता है।

राहुल गांधी बोले-स्टॉक मार्केट में इतिहास का सबसे बड़ा घोटाला

मोदी-शाह ने लोगों को इन्वेस्टमेंट करने को कहा,जनता के 30 लाख करोड़ डूबे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पर उनके शेयर बाजार को लेकर दिए गए बयान को लेकर निशाना साधा। उन्होंने पूछा कि पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने लोगों को निवेश करने की सलाह क्यों दी। पूरे मामले को घोटाला बताते हुए राहुल गांधी ने जेपीसी जांच की भी मांग की। गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी ने कहा कि पहली बार हमने देखा कि चुनाव के समय प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और वित्त मंत्री ने शेयर बाजार पर टिप्पणी की। प्रधानमंत्री ने दो-चार बार कहा कि

स्टॉक मार्केट तेजी से आगे बढ़ने जा रहा है। गृह मंत्री ने भी सीधा कहा कि चार जून को स्टॉक मार्केट ऊपर जाएगा, इसलिए शेयर खरीदना चाहिए। यही मैसेज वित्त मंत्री ने भी दिया। राहुल गांधी ने लोकसभा चुनाव की वोटिंग के बाद सामने आए एग्जिट पोल्स पर भी सवाल उठाए और कहा कि एक जून को मीडिया झूठे एग्जिट पोल रिलीज करती है। बीजेपी का जो सर्वे था, उसमें उसे 220 सीटें मिल रही थीं। तीन मई को स्टॉक मार्केट सारे रिकॉर्ड तोड़ देता है, लेकिन चार जून को स्टॉक मार्केट गिर जाता है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आगे कहा, भारत के आम लोगों ने 4 जून को शेयर बाजार में 30 लाख करोड़ रुपये गंवा दिए। राहुल ने इससे जुड़े तीन सवाल भी पूछे। उन्होंने पूछा कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री ने शेयर बाजार में निवेश करने वाले 5 करोड़ परिवारों को विशेष निवेश सलाह क्यों दी। क्या लोगों को निवेश सलाह देना उनका काम है।

यूपी में पिछड़े और दलित सांसदों का बढ़ गया दबदबा

- ब्राह्मण-ठाकुरों का रसूख हुआ कम, ओबीसी का जलवा

लखनऊ (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजों ने उत्तर प्रदेश में बीजेपी को करारा झटका दिया है। 2019 की तुलना में भगवा दल को 29 सीटों का नुकसान उठाना पड़ा है। इस बार सिर्फ 33 सीटें मिली हैं। यहां की राजनीति में जातीय समीकरण का ढांचा और मजबूत होता जा रहा है। चुनाव परिणाम को देखें तो सभी पार्टियों में इस बार सवर्ण सांसदों की संख्या घट गई है। पिछड़ो का दबदबा बढ़ गया है। ओबीसी वर्ग से सबसे ज्यादा 34 सांसद चुने गए हैं। इसके बाद एससी वर्ग से 18 सांसद जीते हैं। ब्राह्मण समुदाय से 11 और क्षत्रिय वर्ग से 7 प्रत्याशी चुनाव जीतने में सफल रहे हैं। पांच मुस्लिम सांसद भी बने हैं। इसके बाद तीन वैश्य और दो भूमिहार वर्ग के नेता सांसद चुने गए हैं। इस तरह देखा जाए तो अन्य पिछड़ा वर्ग और दलित की तुलना में ब्राह्मण और क्षत्रिय सांसदों की नुमायंदगी कम हो गई है। लखीमपुर खीरी से लेकर बस्ती तक कुर्मी जातियां सबसे ज्यादा हैं।

अमृतसर के गोल्डन टेंपल में लगे खालिस्तानी नारे

- ऑपरेशन ब्लू स्टार की 40वीं बरसी पर भिंडरांवाले के पोस्टर, तलवारें लहराईं

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब में गुरुवार को ऑपरेशन ब्लू स्टार की 40वीं बरसी मनाई गई। इसके लिए अमृतसर स्थित गोल्डन टेंपल में काफी संख्या में सिख समुदाय के लोगों की भीड़ जमा हुई। यहां भीड़ ने हाथों में तलवारें लहराते हुए खालिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए। हाथ में ऑपरेशन ब्लू स्टार में मारे गए जरनैल सिंह भिंडरावाले के पोस्टर लेकर उसके समर्थन

में भी नारे लगाए। पंजाब में 2 दिन पहले आए लोकसभा चुनाव परिणाम में 2 खालिस्तान समर्थक रिकॉर्ड वोटों से जीते। इनमें असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद खालिस्तान समर्थक अमृतपाल और इसी ऑपरेशन ब्लू स्टार के विरोध में पूर्व पीएम इंदिरा गांधी की हत्या करने वाले उनके सिक्योरिटी गार्ड बेअंत सिंह का बेटा सर्बजीत सिंह खालसा शामिल है। सांसद चुने गए सर्बजीत खालसा भी पहुंचे।

9 जून को तीसरी बार पीएम पद की शपथ लेंगे मोदी

बीजेपी के जीते मंत्री रिपीट होंगे,स्मृति-राजीव चंद्रशेखर को मिल सकता है मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोदी सरकार के शपथ ग्रहण की गुरुवार को नई डेट आ गई है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, मोदी 9 जून को शाम 6 बजे शपथ ले सकते हैं। पहले 8 जून को शपथ लेने की खबरें थीं। सूत्रों के मुताबिक, लोकसभा चुनाव में भाजपा के जीते सभी मंत्री इस बार भी रिपीट होंगे। विवाद से जुड़े चेहरों के नाम मंत्री पद की लिस्ट से काटे जा सकते हैं। चुनाव हारीं स्मृति ईरानी और राजीव चंद्रशेखर को पार्टी एक और मौका दे सकती है। इन्हें फिर से मंत्री पद मिल सकता है। दिल्ली में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के घर को अहम बैठक हुई। इसमें अमित शाह और राजनाथ सिंह भी मौजूद रहे। बैठक में नई सरकार बनाने, भाजपा और उसके सहयोगी दलों को मंत्रिमंडल में जगह देने और शपथ ग्रहण की तैयारियों समेत कई मुद्दों पर चर्चा की खबर है। सूत्रों की मानें तो मोदी मंत्रिमंडल के शपथ ग्रहण के लिए रविवार का दिन तय हो चुका है। विदेशी मेहमानों को भी यही बताया गया है। वो 9 जून को ध्यान में रखकर ही शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने दिल्ली पहुंचेंगे।

नीतिश कुमार के दबाव की काट निकाल रही भाजपा

- मंत्रालयों के बंटवारे पर भी सख्त रहेगा रुख, बड़ी तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दो बार पूर्ण बहुमत की सरकार चलाने के बाद नरेंद्र मोदी गठबंधन सरकार चलाने पर विवश हो गए हैं। नीतिश कुमार की जेडीयू और चंद्रबाबू नायडू की तेलुगु देशम पार्टी ने भाजपा के सामने कई अहम मंत्रालयों की मांग रख दी है। लोकसभा स्पीकर का पद भी गठबंधन के साथी चाहते हैं। यही नहीं अग्निवीर जैसी अहम स्कीमों पर बदलाव तक की मांग नीतिश कुमार की पार्टी ने उठा दी है। 12 सीटें जीतने वाले नीतिश कुमार के इस दबाव से भाजपा थोड़ा टेंशन में हैं। वहीं सूत्रों का कहना है कि दबाव से निपटने के लिए भाजपा ने छोटे दलों और निर्दलीय सांसदों से बात करना शुरू कर दिया है। भाजपा को लगता है कि नीतिश कुमार भले ही साथ रहें, लेकिन करीब 290 सांसदों को साथ लेकर सरकार बनाई जाए।

मोदी और ताइवान के राष्ट्रपति में पहली बार हुई सीधी बात

- आगबबूला हुआ चीन, वन चाइना नीति की भारत को दिलाई याद

बीजिंग (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते के बीच पहली बार बात हुई है। लाई चिंग-ते ने लगातार तीसरी बार चुनावी जीत हासिल करने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक्स पर बधाई दी तो पीएम मोदी ने भी इस पर जवाब दिया लेकिन इस घटनाक्रम से ताइवान को हड़पने की योजना बना रहा चीन बुरी तरह तिलमिला गया है। चीनी विदेश मंत्रालय ने इस पर कड़ा ऐतराज जताया है। चीनी विदेश मंत्रालय ने ताइवान के नेता के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संवाद को लेकर अपना विरोध दर्ज कराया है। यही नहीं चीन ने भारत को वन चाइना नीति की याद भी दिलाई है और ताइवान के नेताओं से सावधान रहने को कहा है। ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने बधाई देते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनकी चुनावी जीत पर मेरी हार्दिक बधाई।

अब नौकरी-तबादले और भर्ती योगी के टॉप एजेंडे में

- लोकसभा चुनाव बाद पहली बैठक में हो सकता है बड़ा फैसला
- योगी सरकार का नौकरियों पर जोर,भर्ती प्रक्रिया तेज करने का निर्देश

लखनऊ (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव खत्म होने के बाद यूपी के आला अफसरों के साथ पहली बैठक में ही सीएम योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों से भर्ती प्रक्रिया तेज करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जिन भी विभागों में रिक्तियां हैं और नियुक्ति की जानी हैं, वहां से तत्काल अधियाचन चयन आयोगों को भेजा जाए। अधियाचन भेजने से पहले नियमावली का ठीक से परीक्षण करा लें जिससे बाद में दिक्कतें न आएं। चयन आयोगों से संपर्क बनाएं, त्रुटिपूर्ण अधियाचन न भेजें। चयन

प्रक्रिया की भी सीमा तय करें। लोकसभा चुनाव खत्म होने के 48 घंटे के भीतर ही योगी ने सरकार के काम-काज को ट्रैक पर लाने की कवायद शुरू कर दी है। गुरुवार को उन्होंने पहले जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुनी और उसके बाद सभी विभागों के प्रमुख सचिवों के साथ बैठक कर योजनाओं, विकास कार्यक्रमों की समीक्षा की। आला अफसरों से उन्होंने साफ कहा कि विभाग से जुड़ी हर एक व्यवस्था हर मामले की जवाबदेही आपकी है।

चंद्रबाबू नायडू 12 जून को लेंगे मुख्यमंत्री पद की शपथ

- चौथी बार बनेंगे आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री, मोदी सहित नई कैबिनेट के कई मंत्री रहेंगे मौजूद

अमरावती (एजेंसी)। तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) अध्यक्ष एन चंद्रबाबू नायडू 12 जून को आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। समारोह अमरावती में होगा। इसमें नरेंद्र मोदी और नए केंद्रीय कैबिनेट के कई मंत्री शामिल होंगे। नायडू का शपथ समारोह पहले 9 जून को होने वाला था। हालांकि, मोदी के शपथ समारोह के चलते इसे टाल दिया गया। चंद्रबाबू नायडू चौथी बार राज्य के मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं। इससे पहले उन्होंने 1 सितंबर 1995, 11 अक्टूबर 1999 और 8 जून 2014 को तीन बार सीएम पद की शपथ ली थी। 2019 में

वायएसआरसीपी अध्यक्ष जगन मोहन रेड्डी ने जीत दर्ज कर उनसे सत्ता छीनी थी। सूत्रों के मुताबिक, नायडू शपथ ग्रहण के दिन अमरावती को राज्य की राजधानी बनाने का ऐलान कर सकते हैं। 2 जून को हैदराबाद को तेलंगाना और आंध्र प्रदेश की संयुक्त राजधानी रखने के लिए 10 साल का कॉन्ट्रैक्ट खत्म हो गया। अभी आंध्र देश का एकमात्र ऐसा राज्य है, जिसकी कोई राजधानी नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

बैरागढ़ और गांधीनगर की बरसों पुरानी पेयजल लाइन बदलने का इंतजार

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। बैरागढ़ और गांधीनगर के रहवासियों लीकेज और गंदे पानी की समस्या से मुक्ति दिलाने के लिए बनी अमृत दो योजना अभी तक शुरू नहीं हो सकी है। विलंब के कारण बरसों पुरानी पाइप लाइनें नहीं बदली जा रही हैं। सीवेज सिस्टम भी इसी योजना के तहत सुधारा जाना है। दो नए ओवर हेड एवं नया जल शोधन संयंत्र स्थापित करने का भी प्रस्ताव है। नगर निगम ने पांच साल पहले अमृत दो योजना को स्वीकृति दी थी लेकिन काम शुरू नहीं हो पा रहा था। टेंडर की प्रक्रिया में विलंब होने के कारण काम टल रहा है। इस योजना के तहत गांधीनगर की पाइप लाइन भी बदली जाएगी। संत हिरदारामजी की कुटिया से रेलवे लाइन के नीचे से होती हुई गांधीनगर की ओर जाने वाली पाइप लाइन 22 साल पुरानी है। बार-बार लाइन क्षतिग्रस्त होने से जलापूर्ति प्रभावित होती है। यह लाइन कई बार क्षतिग्रस्त हुई है। इस लाइन को जल्द से जल्द बदलने की जरूरत महसूस की जा रही है।इस योजना के तहत बूढ़ाखेड़ा से स्थित फिल्ट्रेशन प्लांट से विजयनगर एवं सीटीओ तक नई पाइप लाइन बिछाई जाएगी। इसके साथ ही लाउखेड़ी एवं बैरागढ़ कला में नए ओवर हेड टैंक बनाने का प्रस्ताव है ताकिअगले 25 साल तक पेयजल की समस्या न रहे। बैरागढ़ के आवासीय इलाकों में भी नई लाइन का नेटवर्क बिछाया जाएगा। इसके लिए भी प्रस्ताव बनाया जा रहा है। नई लाइनें बिछाने से नागरिकों को गंदे पानी की समस्या से मुक्ति मिल जाएगी। वर्तमान में कुछ लाइनें सीवेज लाइनों के निकट से गुजरती हैं। क्षतिग्रस्त होने पर सीवेज का पानी पेयजल लाइनों के माध्यम से घरों तक पहुंच जाता है। जल कार्य विभाग के एई सचिन साहू के अनुसार बैरागढ़ व गांधीनगर में पाइप लाइन बदलने का काम योजना शुरू होते ही किया जाएगा। योजना के तहत टैंडर प्रक्रिया जल्द शुरू होगी।

प्रभातम हाइट्स पटेल नगर भोपाल में पौधारोपण

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पटेल नगर स्थित प्रभातम हाइट्स में पौधारोपण अभियान चलाया गया। जिसमें प्रभातम परिवार के सदस्यों ने विभिन्न प्रजाति के पौधे रोपे और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वार्ड पार्षद राजेश चौकसे, दीपक उपाध्याय, पर्यावरणविद् आरडी दिलारे, डॉ. आशीष एवं आयोजक सुरेंद्र सिंह राजपूत शामिल हुए। कार्यक्रम के प्रारंभ में पर्यावरणविद् ने जलवायु परिवर्तन और उसमें पौधों के योगदान की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किस प्रजाति के पौधे के क्या गुण हैं। कौन से प्रजाति के वृक्ष अधिक ऑक्सीजन देते हैं। किस प्रजाति के पौधे कितने समय में बड़े हो जाते हैं। इस मौके पर प्रभातम् परिवारों ने नीम, पीपल, आम, इमली, आंवला, वट सहित अन्य प्रजातियों के पौधे रोपे।

मप्र लघु वेतन कर्मचारी संघ भोपाल ने किया सम्मान

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। विदिशा लोकसभा क्षेत्र से शिवराज सिंह चौहान और भोपाल से आलोक शर्मा की जीत पर मध्य प्रदेश लघु वेतन कर्मचारी संघ ने चौहान और शर्मा का पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। संघ के प्रांत अध्यक्ष महेंद्र शर्मा के साथ विभागीय समितियों के अध्यक्ष एवं केंद्रीय पदाधिकारी चौहान के बंगले पर पहुंचे और पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। इसके बाद शर्मा का भी स्वागत किया। महेंद्र शर्मा ने बताया कि दोनों नेताओं से प्रदेश के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की समस्याओं पर चर्चा की। उन्होंने भरोसा जताया कि कर्मचारियों की अपेक्षाओं पर खरे उतरने का प्रयास अवश्य किया जाएगा। स्वागत कार्यक्रम में मुख्य रूप से संघ के कार्यकारी अध्यक्ष सुधीर भार्गव, कैलाश लाल, जिला अध्यक्ष राम कुंडल सेन, उपाध्यक्ष प्रभाकर मिश्रा, जिला स्वास्थ्य समिति के अध्यक्ष पंकज संगत, महामंत्री गौरी शंकर मालवीय एवं निर्णय समिति के अध्यक्ष मांगीलाल तमोली मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

सिद्धार्थ गौतम बुद्ध विहार इंद्रानगर में घुसा टंकी का पानी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल के सिद्धार्थ गौतम बुद्ध विहार इंद्रा नगर मल्टी-12 नम्बर में बुधवार को भारतीय बौद्ध महासभा के प्रदेश कोषाध्यक्ष बी सी सहारे द्वारा धम्म देशना किया गया। इस दौरान बुद्ध विहार की छत से पानी की धार बहने लगी। लेकिन धैर्यवान उपासकों एवं बच्चों ने ध्यान पूर्वक पाठ पूरा सुना। इसके बाद जिला प्रशासन एवं नगर निगम भोपाल से तत्काल इस पानी को रोकने का अनुरोध किया गया। इस मौके पर उपासक, और नौनिहाल मौजूद थे। रमा भीम महिला मंडल के सभी सदस्यों ने बताया कि जब भी बैठक के ऊपर स्थित पानी सप्लाई की टंकी ओवर फ्लो होती हैं, या वर्षा होती है तो ये पानी ऊपर से बहता हुआ बुद्ध विहार के अंदर घुस जाता है।

ट्रैफिक समस्याओं की वाट्सएप पर शिकायत,15 मिनट में हो रहा निराकरण

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पार्किंग की कमी और वाहनों की बढ़ती संख्या से भोपाल में हर दिन किसी न किसी क्षेत्र में जाम की स्थिति बन जाती है। कई बार लंबे-लंबे जाम में लोग फंस जाते हैं और पुलिस तक इसकी जानकारी भी नहीं पहुंच पाती है। ऐसी परिस्थितियों से निपटने भोपाल ट्रैफिक पुलिस ने करीब एक साल पहले एक हैल्पलाइन नंबर जारी किया था। जिसकी उपयोगिता धीरे-धीरे बढ़ती जा रही है और हर महीने ट्रैफिक पुलिस को ट्रैफिक जाम और पार्किंग जैसी परेशानियों के लिए 50 से ज्यादा शिकायतें प्राप्त हो रही हैं।

इन शिकायतों का पुलिस तत्काल प्रभाव से 15 मिनट के अंदर निराकरण भी कर रही है। ट्रैफिक थाना से प्राप्त जानकारी के अनुसार शहरवासी पिछले छह महीने से हर माह 50 से 60 शिकायतें वाटसएप के माध्यम से करते हैं। पुराने भोपाल से रोजाना कम से कम एक शिकायत ट्रैफिक जाम की शिकायत दर्ज की जाती है। इनमें भी हमीदिया रोड, सोमवारा और इमामी गेट पर अक्सर ही पार्किंग सहित अन्य वजहों से ट्रैफिक जाम की स्थिति निर्मित हो जाती

है। नए भोपाल में सबसे ज्यादा शिकायतें एमपी क्षेत्र से पार्किंग को लेकर पहुंचती हैं। वहीं अरेरा कालोनी और शाहपुरा जैसे पाश इलाके में लोग घर के सामने वाहन पार्किंग की शिकायतें भी दर्जा कराते हैं। आनलाइन शिकायत के लिए ट्रैफिक पुलिस ने हैल्पलाइन नंबर 7587602055 जारी किया था। शहर में किसी भी प्रकार की ट्रैफिक संबंधी समस्या को लेकर शिकायतकर्ता इस नंबर पर वाटसएप करते हैं, जिसकी तत्काल सूचना ट्रैफिक कंट्रोल रुम में भेजी जाती है। इसके बाद वहां से वायरलेस सेट आपरेटर उस क्षेत्र में तैनात ट्रैफिक पुलिसकर्मी को समस्या के संबंध में अवगत करवाता है। यह कार्य पांच मिनट के भीतर हो जाता है और फिर ट्रैफिक पुलिस मौके पर पहुंचकर समस्या का निराकरण करती है।

सड़कों पर गाड़ी पार्क करने के चलते हमीदिया रोड पर अक्सर ही जाम लग जाता है। मैंने ट्रैफिक पुलिस के नंबर पर दो से तीन बार फोन किया है, जिसकी जानकारी लगने पर वे तुरंत पहुंच जाते हैं और जाम क्लीयर करवाते हैं।

भोपाल में तीन दिवसीय केरल उत्सव 7 जून से

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल का प्रमुख सामाजिक सांस्कृतिक संगठन यूनाइटेड मलयाली एसोसिएशन अपनी 40वीं वर्षगांठ के अवसर पर तीन दिवसीय केरल उत्सव आयोजित करने जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ 7जून(शुक्रवार) को शाम 5.30 बजे से बिट्टन मार्केट ग्राउंड भोपाल में होगा। 7 से 9 जून तक चलने वाले उत्सव में केरल की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाने वाले विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों होंगे। आयोजन का मुख्य आकर्षण विश्व प्रसिद्ध मार्शल आर्ट कलारीपयट्टू होगा।मलयाली यूनाइटेड एसोसिएशन ने गुरूवार को भोपाल के निजी होटल में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भव्य आयोजन

की जानकारी दी। जिसमें यूनाइटेड मलयाली एसोसिएशन के अध्यक्ष ओपी जोसेफ, जनरल सेक्रेटरी केपी दास, आर्ट सेक्रेटरी आरएस पिल्लई, भोपाल नायर समाज अध्यक्ष एजी वल्लभन शामिल हुए। प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि फेस्ट में भोपाल के करीब 30-35हजार मलयाली शामिल होंगे। शुभारंभ अवसर पर सीएम मोहन यादव, मंत्री विश्वास सारंग,मंत्री कृष्णा गौर को भी निमंत्रित किया गया है। एसोसिएसन के अध्यक्ष जोसेफ ने बताया कि हम भोपाल में आपको केरल की झलक दिखाने जा रहे हैं। सबसे खास बात यह है कि हमने तीनों दिन भोपाल के प्रमुख नृत्य समूहों द्वारा भरतनाट्यम, कुचिपु?डी से लेकर मोहिनीअट्टम जैसे शास्त्रीय नृत्यों की प्रस्तुति की जाएगी। फ्यूजन म्यूजिक और अन्य विविध गीत भी दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देंगे।

ग्वालियर में सबसे कड़ी लड़ाई, छिंदवाड़ा-मुरैना में दलबदल सफल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव में भाजपा ने मप्र में क्लीन स्वीप करते हुए सभी 29 सीटें जीत लीं। हालांकि, इनमें से 7 सीटें ऐसी रहीं, जिनमें टक्कर रही। इन 7 सीटों पर कांग्रेस का वोट शेयर 40 से 45त्न के बीच रहा है। वहीं इनमें से 5 सीटों पर भाजपा का वोट शेयर 50त्न से नीचे आ गया। इन सीटों पर पीएम नरेंद्र मोदी के नाम की लहर, लगातार राष्ट्रीय नेताओं की सभाओं और स्थानीय संगठन की एकजुटता की वजह से ये प्रत्याशी जीतने में सफल रहे। इनमें मुरैना, ग्वालियर, सतना और मंडला सीट है। वोटों के मार्जिन के

अंतर से देखें तो सबसे कड़ी टक्कर मुरैना में रही। यहां भाजपा प्रत्याशी सिर्फ 52,530 वोट से जीता। हालांकि, वोट शेयर के हिसाब से देखें तो ग्वालियर में सबसे कड़ा मुकाबला रहा। यहां भाजपा-कांग्रेस के वोट शेयर में सिर्फ 5.22त्न वोटों का अंतर रहा। छिंदवाड़ा, मुरैना और सागर जैसी कई सीटों पर तो दलबदल की वजह से ही भाजपा जीतने में कामयाब रही। इनमें कांग्रेस के वोट शेयर गिरे। पांढुर्ना को जिला बनाया।

कभी गठबंधन सरकार में बड़े मध्यस्थ होते थे कमलनाथ, इस बार हाशिए पर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। देश में कांग्रेस की अगुवाई वाले यूपीए (संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन) की गठबंधन सरकार की जब भी बात आई तो दिग्गज नेता कमल नाथ की भूमिका बड़े मध्यस्थ की रहती थी। गांधी परिवार का करीबी होने के कारण कांग्रेस कमल नाथ को आगे करती और गठबंधन के दल भी उन पर भरोसा करते। इस बार कांग्रेस की अगुवाई वाला आइएनडीआइ गठबंधन बहुमत से 40 सीटों की दूरी पर है। कांग्रेस के कई नेता इस बार बहुमत पाने वाले राजग (एनडीए) के अन्य दलों को अपने पाले में लाकर सरकार बनाने की आस लगाए हुए हैं लेकिन इस परिदृश्य में कमल नाथ कहीं नहीं हैं। इसके दो प्रमुख कारण हैं। पहला, बेहद प्रतिष्ठापूर्ण चुनाव में कमल नाथ के गढ़ छिंदवाड़ा में उनके बेटे नकुल नाथ चुनाव हार गए। दूसरा, लोकसभा चुनाव के पहले कमल नाथ के भाजपा में जाने की अटकलें थीं। माना जा

रहा है कि इस कारण गांधी परिवार का उन पर भरोसा कम हुआ है। राष्ट्रीय स्तर पर कमल नाथ की सक्रियता न के बराबर हो गई है। कभी कमल नाथ को इंदिरा गांधी को तीसरा बेटा कहा जाता था। राजनीति के मंझे हुए खिलाड़ी होने के साथ अच्छी छवि के कारण उन्होंने सरकार और संगठन में महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन किया। केंद्र में कांग्रेस कमजोर हुई तो पार्टी ने वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव के पहले कमल नाथ को मध्य प्रदेश भेज दिया। कांग्रेस की जीत के बाद वह मुख्यमंत्री भी बने। हालांकि सरकार 15 महीने ही चल पाई। वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में हार के बाद से गांधी परिवार ने कमल नाथ से दूरी बनानी शुरू कर दी। इस बीच लोकसभा चुनाव के पहले कमल नाथ और उनके बेटे नकुल नाथ के भाजपा में जाने की अटकलों ने भी गांधी परिवार से उनकी दूरी बढ़ा दी।

विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद से कांग्रेस में गुटबाजी थमी नहीं। सबसे ताकतवर माने जाने वाले कमल नाथ पार्टी में अकेले पड़ गए हैं। बुधवार को उन्होंने भावुक होकर कह भी दिया कि छिंदवाड़ा की जनता ने विदाई दी है और यह विदाई मैं स्वीकार करता हूं। राहुल गांधी से संबंध सहज नहीं दरअसल, मार्च, 2023 में राज्यसभा चुनाव के दौरान ही राहुल गांधी और कमल नाथ के बीच की खटास भी जगजाहिर हो गई।

प्राइवेट बिजली नगर कॉलोनी गोविंदपुरा भोपाल में वट सावित्री पूजा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। वट सावित्री व्रत के मौके पर प्राइवेट बिजली नगर कॉलोनी गोविंदपुरा में सुहागिन महिलाओं ने वट वृक्ष की पूजा की और कच्चा सूत बांधकर वृक्ष की परिक्रमा करते हुए पति की दीर्घ आयु की कामना की। सुबह से ही कॉलोनी के मंदिर परिसर में स्थित वट वृक्ष की पूजा के लिए महिलाओं के पहुंचने का सिलसिला प्रारंभ हो गया था। महिलाओं ने मंदिर में स्थापित देवी की पूजा की, वट वृक्ष की विधि-विधान से पूजा की और कच्चा सूत लेकर परिक्रमा की। यह व्रत पति की लंबी आयु, घटना-दुर्घटनाओं से बचने और परिवार में सुख-शांति के लिए सुहागिन महिलाएं करती हैं।

मंत्रियों के काम में कसावट के लिए होगी जमावट

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के परिणामों से उत्साहित मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अब सरकार के काम में कसावट के लिए प्रशासनिक सर्जरी करेंगे। अफसरों की प्रशासनिक जमावट का काम जल्द शुरू होने वाला है। जिसमें कुछ कलेक्टरों के साथ विभागाध्यक्ष कार्यालयों और मंत्रालय में पदस्थ अफसरों के विभाग बदले जा सकते हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय में पदस्थ अफसरों में से कुछ के अतिरिक्त प्रभार वाले विभाग दूसरे अफसरों को सौंपे जा सकते हैं। जबकि कुछ विभागों के मंत्रियों के कामकाज की जानकारी रखने के लिए सीएम उनके पास अतिरिक्त विभागीय प्रभार बनाए रख सकते हैं। इसके साथ ही कुछ विभागों में सीनियर मंत्रियों की पसंद वाले अधिकारियों की भी पोस्टिंग की जा सकती है। बताया जाता है कि इसके साथ ही चुनाव आचार संहिता के

पहले किए गए ताबड़तोड़ तबादलों के दौरान जिन अधिकारियों को एक से अधिक काम सौंपा है, और जो बिना काम या कमजोर विभागों में पदस्थ हैं, उनके काम भी बदले जा सकते हैं। सरकार की प्राथमिकता वाले विभागों में शामिल नगरीय विकास और आवास, पंचायत और ग्रामीण विकास, वित्त और वाणिज्यिक कर, उच्च और स्कूल शिक्षा, गृह और परिवहन, वन और जल संसाधन विभाग, स्वास्थ्य, महिला और बाल विकास विभाग तथा खनिज साधन समेत अन्य महत्वपूर्ण विभागों में सीएम यादव की गुडविल वाले अफसरों की पद स्थापना रहेगी।

सूत्रों ने बताया कि चूंकि अब चुनाव खत्म हो गए हैं, और सरकार की प्राथमिकता केंद्र सरकार की योजनाओं और निर्देशों पर तेजी से अमल के साथ प्रदेश के विकास के लिए फैसले करने को लेकर होगी। इसलिए मंत्रियों के काम में कसावट बनाए रखने के हिसाब से भी अफसरों की पोस्टिंग की जाएगी ताकि मंत्री गड़बड़ करें तो सरकार को सीधे समूचे घटनाक्रम और फाइल मूवमेंट की जानकारी मिलती रहे। स्वास्थ्य विभाग के अपर सचिव मो. सुलेमान पिछले चार साल से स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव हैं।

उनके कार्यकाल में ही नर्सिंग कॉलेजों की मान्यता को लेकर कराई गई जांच में हुए घोटाले के बाद सरकार की किरकिरी हुई है। अभी विभाग के अधिकारी सीएम सचिवालय को खुलकर पूरी जानकारी नहीं दे पा रहे हैं। अब सीएम मोहन यादव इस घोटाले को लेकर सख्त हैं, और इससे जुड़े अफसरों पर कार्यवाही के निर्देश दे चुके हैं। ऐसे में यह तय माना जा रहा है कि सुलेमान की अब स्वास्थ्य विभाग से विदाई हो सकती है ताकि इस घोटाले के बाकी सच भी सामने लाए जा सकें।

ब्रह्माकुमारी क्षेत्रीय मुख्यालय राजयोग भवन में मना पर्यावरण दिवस

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय मुख्यालय राजयोग भवन अरेरा कॉलोनी भोपाल में पर्यावरण दिवस के अवसर पर बुधवार को कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्वलन कर किया गया। संस्थान की क्षेत्रीय निर्देशिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी अवधेश दीदी ने अपने आशीर्वचन में कहा कि अगर हमें इस संसार को स्वर्णिम संसार बनाना है तो पर्यावरण को बचा के रखना है।

उसका संरक्षण करना है और इसके लिए हमें पेड़ लगाने होंगे, पेड़ों की सुरक्षा करनी होगी और जंगलों को कटने से बचाना होगा। उन्होंने नारा दिया - पेड़ लगाओ, पर्यावरण बचाओ, स्वर्णिम संसार लाओ। कार्यक्रम के दौरान वहां उपस्थित लोगों ने पौधे लगाए। साथ ही पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिज्ञाएं भी की। कार्यक्रम का संचालन ब्रह्माकुमारी लीला बहन ने किया। मुख्य अतिथि ओम प्रकाश शर्मा ने कहा हमारे हाथ में प्रकृति के

पांचों तत्वों का प्रतीक है, अंगूठा पृथ्वी का प्रतीक है, अनामिका वायु का प्रतीक है, मध्यमिका आकाश का प्रतीक है, तर्जनी जल का प्रतीक है और कनिष्ठिका अंगुली अग्नि का प्रतीक है। अत: अगर प्रकृति के पांचों तत्वों का संरक्षण करना है, तो अति आवश्यक है कि हम पर्यावरण का संरक्षण करें और उसके लिए अधिक से अधिक मात्रा में वृक्षारोपण करें। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नेवी कमांडेंट ओम प्रकाश शर्मा मौजूद हुए।

साथ ही पशुपालन विभाग के उपसंचालक भगवान दास मगनानी ,किराड समाज के अध्यक्ष ललित गाडेकर एवं पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के प्रमुख सचिव ओम प्रकाश भी शामिल हुए।

खैरहनी में छूही खदान धसने से दो की मौत

दो महिला और एक किशोर घायल, जेसीबी की मदद से निकाला बाहर

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली निप्र। चितरंगी के गढ़वा थाना क्षेत्र के हरमा गांव के समीप खैरहनी पहाड़ी में छूही खदान धंसकने से दो लोगों की मौत हो गई। इसमें एक महिला और एक पुरुष शामिल हैं। वहीं एक किशोरी और दो महिला गंभीर रूप से घायल हैं। जिनका इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र चितरंगी में चल रहा है। सभी मृतक और घायल चितरंगी थाना के ग्राम गांगी नटवाही टोला के हैं। वहीं घटना की खबर मिलते ही आसपास के गांव में सनसनी फैल गई।

डेढ़ दर्जन में से पांच आए चपेट में-

जानकारी के अनुसार पुलिस चौकी नौडिहवा क्षेत्र के हरमा गांव स्थित वन अभयारण्य चौकी के समीप खैरानी के पहाड़ी में बुधवार की शाम करीब 4 बजे चितरंगी थाना क्षेत्र के ग्राम गांगी निवासी डेढ़ दर्जन महिलाएं एवं पुरुष के साथ छूही खोदने गए थे।

इनकी हुई दबने से मौत-

छूही खोदते समय अवैध छूही खदान धंस गई और खदान के अंदर छूही खोद रहे कृष्णा कोल पिता सोनई कोल उम्र 38 वर्ष, सीमा देवी केवट पति रामगणेश केवट उम्र 30 वर्ष की घटना स्थल पर ही मलबे के नीचे दबने से मौत हो गई।

ये हुए घायल-

वहीं पूजा केवट पिता अमृतलाल के वट उम्र 16 वर्ष और कुशुमकली केवट पति रामसेवक केवट उम्र 36 वर्ष घायल हैं। वहीं एक बालक भी मंगला कोल पिता समारू कोल भी चपेट में आ गया था। सभी घायलों का इलाज चितरंगी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में चल रहा है।

तीन घंटे तक चलेगा रेस्क्यू-

घटना की जानकारी मिलते ही थाना प्रभारी गढ़वा टीआई अनिल पटेल, नौडिहवा चौकी प्रभारी उदय चन्द करिहार सहित अन्य स्टाफ घटना स्थल पहुंच जेसीबी मशीन से राहत और बचाव कार्य में जुट गए। करीब 3 घंटे तक पुलिस रेस्क्यू करने में लगी रही।

खैरहनी में छूही खदान में हुई घटना-

उदय चन्द्र करिहार चौकी प्रभारी नौडिहवा ने जानकारी दी की खैरहनी में छूही खदान धंसकने से दो लोगों की मौत हो गई है और तीन लोगों को चोटें आई हैं। जानकारी मिलते ही राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। खदान में करीब एक दर्जन से अधिक लोग गए हुए थे।

कार्यस्थल पर श्रमिकों के लू के प्रकोप से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। श्रम पदाधिकारी ने जानकारी देकर बताया है कि श्रम आयुक्त मध्यप्रदेश शासन इंदौर द्वारा जन समुदाय को लू (तापघात) के प्रकोप से बचाव के लिए पत्र दिनांक 01.05.2024 एवं 05 जून 2024 द्वारा परिपत्र जारी कर वर्तमान में लू (तापघात) से बचाव के लिए जिले में जहां पर श्रमिक नियोजित हैं ऐसे औद्योगिक क्षेत्र के कामगारों, प्रदेश में चल रहे निर्माण कार्य में नियोजित श्रमिकों, पीठा श्रमिकों एवं अन्य क्षेत्र में नियोजित श्रमिकों को लू (तापघात) के प्रकोप से बचाव के लिए एडवायजरी जारी की गई है।

उन्होंने बताया कि उद्योगों, निर्माण कार्यों एवं अन्य क्षेत्रों में नियोजित श्रमिकों का कार्य समय आवश्यकता एवं सुविधा अनुसार परिवर्तित कर लिया जावे। खेतों बाजारों, उद्योगों भवन निर्माण आदि में कार्यरत श्रमिकों के कार्य स्थल पर शीतल जल एवं आपात स्थिति के लिए पर्याप्त शेड की सुनिश्चिता प्रत्येक निर्माण स्थलध्कार्य स्थल पर सुनिश्चित किए जावें। कार्य में नियोजित समस्त श्रमिकों को लू से बचाव संबंधी जानकारी आवश्यक रूप से श्रमिकों को दी जावें।

श्रम पदाधिकारी द्वारा निर्देश जारी किए गए हैं कि उपर्युक्त निर्देशों का समुचित परिपालन जिले के कारखानों के अधिभोगीगणों प्रबंधकों तथा दुकानों एवं वाणिज्यिक स्थापनाओं के नियोजकों तथा प्रबंधकों द्वारा सुनिश्चित किया जावें।

नारा लेखन से दिया जा रहा जल संरक्षण का संदेश

रीवा निप्र। जल संरक्षण के लिए जिले भर में 5 जून से 16 जून तक नमामि गंगे अभियान चलाया जा रहा है। अभियान को सफल बनाने के लिए जन अभियान परिषद द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस संबंध में जन अभियान परिषद के संभागीय समन्वयक प्रवीण पाठक ने बताया कि नवांकुर संस्थाओं के सदस्य तथा जन अभियान परिषद के कार्यकर्ता दीवार लेखन के माध्यम से जल संरक्षण का संदेश दे रहे हैं। गांव के शासकीय भवनों तथा अन्य परिसम्पत्तियों पर नमामि गंगे अभियान एवं जल संरक्षण से जुड़े नारे लिखे जा रहे हैं। इन नारों के माध्यम से मानव के जीवन में पानी के महत्व तथा जल संरक्षण के उपायों की जानकारी दी जा रही है। नारों के माध्यम से आमजनता को जागरूक कर नमामि गंगे अभियान से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

राजस्व प्रकरण जल्दबाजी में निपटाने में नियमों की अनदेखी

आवेदन एक ने किया, नायब तहसीलदार ने दो के सीमांकन प्रकरण स्वीकृत कर दिए

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर निप्र। छतरपुर में राजस्व प्रकरणों को थोक में निपटाने के लिए राजस्व अधिकारी नियमों की अनदेखी कर रहे हैं। नियमों की अनदेखी कर दिए जा रहे फैसलों से विवाद खड़े हो रहे हैं। ऐसा ही मामला गुरुवार शाम गठेवरा गांव की जमीन के सीमांकन का सामने आया। जिसमें आवेदन एक ने किया, नायब तहसीलदार ने दो के सीमांकन प्रकरण स्वीकृत कर दिए। इतना ही नहीं सीमांकन को लेकर आई सीमावर्ती किसान की आपत्ति को भी दरकिनार कर दिया।

यह है मामला-

गठेवरा मौजा खसरा नंबर 192/5/2 के सीमांकन के लिए आदित्य सिंह ने आवेदन किया। आरआई आरएन शर्मा और पटवारी वीरेंद्र शुक्ला ने सरहदी किसान की गैर मौजूदगी में जमीन का मोबाइल से सीमांकन कर दिया। जबकि मशीन से सीमांकन के नियम हैं। इसके अलावा आरआई व पटवारी ने सरहदी किसान की गैर मौजूदगी में खसरा नंबर 192/5/2 के साथ खसरा नंबर 192/5/4 का मोबाइल से सीमांकन कर दिया। जबकि दूसरे खसरा नम्बर के सीमांकन का आवेदन तक नहीं है। सीमांकन की मशीन का इस्तेमाल ही नहीं किया गया। सीमांकन पर सरहदी किसान 65 वर्षीय बुजुर्ग महिला ने आपत्ति दर्ज कराई। आपत्ति के आवेदन को बृजपुरा नायब तहसीलदार संध्या अग्रवाल ने ही मार्क किया है। लेकिन उन्होंने एक आवेदन पर दो लोगों के स्वामित्व वाले अलग-अलग खसरा नंबर के सीमांकन को स्वीकृत करते हुए लिखा कि कोई आपत्ति प्राप्त नहीं हुई। आपत्ति आवेदन व सीमांकन आदेश दोनों पर संध्या अग्रवाल के हस्ताक्षर से मामले की पोल खुली। अब पीड़ित महिला किसान एसडीएम न्यायालय में आदेश के खिलाफ अपील कर रही है।

इनका कहना है-

नायब तहसीलदार संध्या अग्रवाल ने बताया कि तहसील छतरपुर नगर ने जानकारी बताया कि आदित्य सिंह ने आवेदन दिया था सीमांकन का जिसके बाद सीमांकन किया गया अगर किसी व्यक्ति को सीमांकन में आपत्ति है तो वह अपील कर दें, या कागज लाकर उपलब्ध करा दें तो मैं दोबारा सीमांकन कर दूंगी।

गल्ला व्यापारी का बैग लेकर भागने वाला सीसीटीवी में कैद

गल्ला बेचने के बाद बैग में रखे थे रुपए, सामान खरीदते समय लेकर भागा चोर

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर निप्र। गल्ला व्यापारी की बाइक पर बैग में रखे डेढ़ लाख रुपए चोरी करने वाला चोर सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया है। सिटी कोतवाली पुलिस सीसीटीवी के आधार पर शिकायत दर्ज कर आरोपी की तलाश कर रही है।

गल्ला व्यापारी मनोज अग्रवाल (45) निवासी सन्मति स्कूल के सामने पन्ना रोड सिविल लाइन ने बताया कि वह गल्ला खरीदी-बेची का काम करता है। बुधवार दोपहर 1 बजे गल्ला मंडी में गला बेचकर सामान खरीदने किराना दुकान गया था। शाम करीब 7 बजे गल्ला मंडी स्थित पुरानी इलाहाबाद बैंक के पास बाइक खड़ी कर सामान लेने चला गया।

रुपए से भरा बैग बाइक पर ही टंगा था। वापस लौटा तो बैग गायब था। सिटी कोतवाली थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने मौके पर एक दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले तो चोर पैसे लेकर भागते नजर आया।

एडिशनल एसपी विक्रम सिंह ने बताया कि रात में मनोज अग्रवाल ने सिटी कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज करवाई थी। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफमामला दर्ज कर लिया है।

पांचवीं एवं आठवीं के बच्चों को पुन: परीक्षा में सम्मिलित कराने विशेष प्रयास जारी

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। जिला परियोजना समन्वयक जिला शिक्षा केन्द्र सीधी ने जानकारी देकर बताया है कि कक्षा 05वीं, 08वीं की पुन: परीक्षा 03 जून 2024 से प्रारम्भ है। वार्षिक परीक्षा 2023-24 में अनुत्तीर्ण अथवा अनुपस्थित छात्रों को पुन: परीक्षा में सम्मिलित होने का अवसर दिया गया है। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में अनुपस्थित छात्रों को परीक्षा केन्द्र तक लाने एवं परीक्षा में बैठाने का सतत प्रयास सभी विकासखण्ड स्त्रोत समन्वयकों एवं जन शिक्षकों द्वारा किया जा रहा है।

जिले में कक्षा 05वीं में कुल 2406 छात्र एवं कक्षा 08वीं में कुल 4522 छात्र/छात्राएं अनुत्तीर्ण अथवा अनुपस्थित रहे। इन सभी छात्रों को परीक्षा मे सम्मिलित कराने के लिए संबंधित विद्यालय के शिक्षकों को प्रत्येक छात्रध्छात्राओं को उपस्थित कराने का दायित्व दिया गया है। छात्रों को पुन: परीक्षा की तैयारी के लिए उनके घर-घर जाकर मुहल्ला क्लास संचालित किए गए हैं।

अनुस्थित छात्रों को पुन: परीक्षा में बैठाने के लिए जिला शिक्षा केन्द्र बीआरसीसी एवं जन शिक्षकों द्वारा घर-घर जाकर अभिभावकों को समझाकर परीक्षा में बैठाया जा रहा है। पुन: परीक्षा में अधिकांश वही छात्र/छात्राएं अनुपस्थित हो रहे है जो अन्यत्र कार्य में लगे हुए है और विद्यालय नहीं आना चाहते। परन्तु सभी बीआरसीसी, जनशिक्षकों एवं शिक्षकों द्वारा अथक परिश्रम कर परीक्षा में बैठाया जा रहा है।

श्री विधि से धान की रोपाई किसानों के लिये वरदान

मीडिया ऑडीटर, रीवा निप्र। जिले में काफी बड़े क्षेत्र में धान की खेती की जाती है। अधिकतर किसान रोपा विधि से धान लगाते हैं। इसकी तुलना में मेडागास्कर विधि जिसे एस.आर.आई. श्री विधि कहा जाता है, से धान लगाना अधिक लाभकारी है। इसमें कम पानी, कम बीज और बिना खरपतवार के धान का अच्छा उत्पादन होता है। परम्परागत विधि से किसान को प्रति हेक्टेयर 20 से 25 क्विंटल धान की उपज मिलती है। इसकी तुलना में श्री विधि से धान लगाने पर प्रति हेक्टेयर 35 से 50 धक्कटल धान का उत्पादन होता है। उप संचालक यूपी बागरी कृषि ने किसानों से धान रोपण के लिये श्री विधि अपनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह तकनीक किसानों के लिये वरदान है।

उप संचालक यूपी बागरी ने बताया कि श्री विधि से प्रति हेक्टेयर केवल 6 से 8 किलो बीज की जरूरत होती है। इसे विशेष तरह की प्लेट अथवा पॉलीथीन में नर्सरी लगाकर तैयार किया जाता है। इसमें भुरभुरी मिट्टी तथा राख का होना आवश्यक है। इसके लिये 10 मीटर लम्बी तथा 5 से.मी. ऊंची क्यारी बनायें। इसमें 50 किलो नाडेप अथवा गोबर की खाद मिलाकर बीजों की बोनी करें। बोनी से पहले बीजों को थाईरम दवा से उपचारित करें। प्रत्येक क्यारी में 120 ग्राम बीज की बोनी करें। इन्हें ढंककर हल्की सिंचाई करें। धान रोपित करने के लिये खेत को गहरी जुताई करके उसके खरपतवार नष्ट करें। खेत में पर्याप्त पानी देकर रोपाई के लिये खेत तैयार करें। इसमें नर्सरी में तैयार धान के 15 से 21 दिन के पौधे रोपित करें। तैयार खेत में मार्कर हल की सहायता से 20-20 से.मी. दूरी पर निशान बनायें। इन निशानों पर धान का केवल एक पौधा रोपित करें।

उन्होंने किसानों को सलाह देते हुए कहा कि पौधे से पौधे तथा कतार से कतार की दूरी 2 से.मी. रखें। पौधों के बीच में पर्याप्त अंतर होने पर उन्हें पर्याप्त हवा तथा नमी प्राप्त होगी। कतार में पर्याप्त दूरी रहने पर खरपतवार होने की स्थिति में कोनावीडर की सहायता से इन्हें आसानी से निकालकर खाद बनायी जा सकती है। मृदा हेल्थ कार्ड में खेत की मिट्टी में पोषक तत्वों के अनुसार खाद का उपयोग करें। इसमें गोबर की खाद नाडेप तथा वर्मी खाद का अधिक उपयोग करें। धान रोपित करने के 15 दिन बाद कम मात्रा में यूरिया का छिड़काव किया जा सकता है। श्री विधि से धान लगाने पर खेत में पानी भरने की जरूरत नही होती है। लेकिन खेत में नमी बनी रहे इसकी व्यवस्था करें। जिस समय धान के पौधो में वृद्धि हो रही हो उस समय खेत को 2 से 3 दिनों के लिये सूखा छोड़ देना चाहिये। इसके बाद पुनः हल्की सिंचाई करके खेत को नम करना चाहिये। इस विधि से किसान 35 से 50 धक्कटल तक धान प्राप्त कर सकते हैं। इसके संबंध में किसान कृषि विस्तार अधिकारी से भी जानकारी प्राप्त कर सकते है।

नमामि गंगे अभियान के तहत की गई तालाब की सफाई

मीडिया ऑडीटर, रीवा निप्र। जल संरक्षण, जल संवर्धन तथा प्राचीन जल स्त्रोतों की साफ-सफाई के लिए जिले भर में 5 जून से 16 जून तक नमामि गंगे अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में जल स्त्रोतों की जन भागीदारी से साफ-सफाई कराई जा रही है। इस क्रम में ग्राम पंचायत कंदैला में तालाब की साफ-सफाई की गई। इस संबंध में जन अभियान परिषद के संभागीय समन्वयक प्रवीण पाठक ने बताया कि ग्राम कंदैला में जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्था तथा स्वयंसेवी संस्था एकता महाशक्ति कल्याण परिषद द्वारा मिलकर तालाब की साफ-सफाई का अभियान चलाया गया। अभियान के तहत तालाब के सूखे भाग से खरपतवार तथा कचरे को बाहर निकाला गया। तालाब के अंदर आवांछित वनस्पतियों को हटाया गया। तालाब की साफ-सफाई अभियान में एकता महाशक्ति कल्याण परिषद के अध्यक्ष उमेशानंद एवं उनके सहयोगी ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। ग्राम पंचायत के सरपंच, पंचगणों तथा आमजनता ने भी जल संरक्षण और संवर्धन के इस कार्य में सहयोग किया। इसी क्रम में जवा विकासखण्ड के उंचाडीह के खोखला तालाब में भी श्रमदान कर साफ-सफाई की जा रही है।

वीडी शर्मा ने किया श्रमदान

जल संरक्षण अभियान की शुरुआत कर तालाब के गहरीकरण का कार्य किया

मीडिया ऑडीटर, पन्ना निप्र। भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष और खजुराहो लोकसभा क्षेत्र से नवनिर्वाचित सांसद वीडी शर्मा ने जलसंरक्षण अभियान के तहत पन्ना नगर के मिर्जा राजा तालाब में साफ-सफाई और गहरीकरण कर श्रमदान किया। इस दौरान उनके साथ भाजपा जिलाध्यक्ष डब्बू मिश्रा, पन्ना विधायक बृजेन्द्र प्रताप सिंह मौजूद रहे।

पन्ना में तालाबों के गहरीकरण का शुभारंभ बीजेपी कार्यालय के पास बने तालाब से किया गया। इस दौरान उन्होंने कहा आने वाले दिनों में पूरे पन्ना में 100 से भी ज्यादा पुराने तालाबों का गहरीकरण और सौंदर्यीकरण किया जाएगा।

नगर पालिका, शहर की जनता के साथ-साथ पार्टी के कार्यकर्ता और सामाजिक संगठनों से जुड़े लोग तालाबों का गहरीकरण और सौंदर्यीकरण मिलजुलकर करेंगे। ताकि पानी की कमी न रह सके। इस दिशा में अब चाहे पौधरोपण की बात हो या फिर तालाबों के गहरीकरण की काम तेजी से किया जाएगा।

हम जल संरक्षण के लिए आने वाली पीढ़ियो के लिए कुछ करें। जल संरक्षण की दिशा में तेजी से काम कर जनप्रतिनिधियों और लोगों को इसके लिए जागरूक कर रहे हैं।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से पन्ना विधायक बृजेन्द्र प्रताप सिंह भाजपा जिला अध्यक्ष बृजेंद्र मिश्रा, सदानंद गौतम जयप्रकाश चतुर्वेदी, मीना विष्णु पांडे, शशि राजे परमार, नगर के पदाधिकरी शामिल रहे।

मुख्य सचिव आज करेंगे नमामि गंगे अभियान की समीक्षा

रीवा निप्र। प्रदेश की मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा 7 जून को वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से नमामि गंगे अभियान की समीक्षा करेंगी। वीडियो कान्फ्रेंसिंग दोपहर एक बजे से कमिश्नर कार्यालय के एनआईसी कक्ष में आरंभ होगी। मुख्य सचिव नगरीय निकायों तथा ग्राम पंचायतों में जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन के सभी कार्यों की समीक्षा करेंगी। सभी संबंधित अधिकारियों को वीडियो कान्फ्रेंसिंग में उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं।

नरवाई न जलाने तथा इससे जैविक खाद बनाने की सलाह

रीवा निप्र। कृषि विभाग द्वारा जिले के किसानों को गेंहू की फसल काटने के बाद बचे हुए अवशेष (नरवाई) नहीं जलाने की सलाह दी गई है। नरवाई जलाने से एक ओर जहां खेतों में अग्नि दुर्घटना की संभावना रहती है वहीं मिट्टी की उर्वरकता पर भी विपरीत असर पाता है।

विचार

क्या अब भारतीय लोकतंत्र पर दूषित प्रचार बंद होगा

18वें लोकसभा चुनाव के नतीजे अपने अंदर कई संदेशों को समेटे हुए हैं। पहला पिछले कुछ वर्षों से विरोधी दल, विदेशी शक्ति और मीडिया के एक भाग द्वारा नरेटिव गढ़ा जा रहा था कि देश की लोकतांत्रिक-संवैधानिक संस्था प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'जेब' में है अर्थात् प्रजातंत्र समाप्त हो चुका है। ई.वी.एम. और चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर प्रश्नचिन्ह लगाकर देश को कलंकित किया जा रहा था। चुनाव परिणाम ने न केवल इस प्रकार के मिथकों को तोड़ दिया, बल्कि इसने भारत के जीवंत, बहुलतावादी, पंथनिरपेक्षी और स्वस्थ लोकतांत्रिक छवि को पुनर्स्थापित किया है। क्या प्रधानमंत्री मोदी का अंधविरोध करने वाला वाम-जिहादी-सैकुलर समूह अपने इस वाहियात प्रलाप के लिए देश से माफी मांगेगा? दूसरा प्रधानमंत्री मोदी ने इतिहास रचते हुए स्वतंत्र भारत में 1962 के बाद लगातार तीसरी बार सरकार बनाने का जनमत प्राप्त किया है। पिछले लोकसभा चुनाव (2019) की तुलना में भाजपा को इस बार 0.8 प्रतिशत मतों का नुकसान हुआ है। इससे उसकी देश में 63 सीटें घट गईं और वह अपने दम पर तीसरी बार लगातार बहुमत का आंकड़ा छूने से पिछड़ गई। भाजपा को जिन 4 प्रदेशों में सर्वाधिक क्षति पहुंची, उसमें संख्या के लिहाज से उत्तर प्रदेश सबसे ऊपर है। यहां की 80 लोकसभा सीटों में भाजपा इस बार 41 प्रतिशत मतों के साथ 33 सीटों पर विजयी हुई है, जोकि पिछले चुनाव की तुलना में 29 सीटें कम है। इसका सीधा लाभ समाजवादी पार्टी-कांग्रेस नीत विरोधी गठबंधन को मिला है। तीसरा, अपने बल पर बहुमत के आंकड़े से चूकने के बाद भाजपा इस बार तेलुगू देशम पार्टी (टी.डी.पी.) और जनता दल-यू (जे.डी.यू.) सहित लगभग 30 सहयोगियों पर निर्भर होकर सरकार चलाएगी। आंध्रप्रदेश में भाजपा और जन सेना पार्टी से गठबंधन करने के बाद टी.डी.पी. ने दमदार प्रदर्शन करते हुए राज्य की 175 सदस्यीय विधानसभा में अकेले दो तिहाई से अधिक अर्थात् 135 सीटें जीतकर जबरदस्त वापसी की है। चौथा, टी.डी.पी. के अतिरिक्त बिहार में एन.डी.ए. सहयोगी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जे.डी.यू. ने भी भाजपा के साथ मिलकर शानदार प्रदर्शन किया है। इससे साबित होता है कि बिहार की राजनीति में नीतीश अब भी लोकप्रिय हैं। राजग गठबंधन के अंतर्गत भाजपा ने 17 में से 12, जे.डी.यू. ने 16 में से 12 और चिराग पासवान की पार्टी ने अपनी सभी 5 सीटों पर जीत हासिल की है। कांग्रेस-आर.जे.डी. सहित विरोधी गठजोड़ जबरदस्त प्रचार के बाद भी 10 सीटें ही जीत पाया है। पांचवां, ओडिशा में भाजपा ने कीर्तिमान रचा है। 40 प्रतिशत से अधिक मतों के साथ पार्टी ने 147 सदस्यीय विधानसभा चुनाव में 78 सीटें जीतकर अपने दमखम पर बहुमत प्राप्त किया है। वहीं लोकसभा में 21 में से 20 सीटें अपने नाम करके सत्तारूढ़ बीजू जनता दल (बी.जे.डी.) का सूपड़ा साफ कर दिया है। सूबे में 24 वर्षों से सत्तासीन और शारीरिक रूप से अस्वस्थ 77 वर्षीय निवर्तमान मुख्यमंत्री और बी.जे.डी. के अध्यक्ष नवीन पटनायक अब शायद ही इस पराजय से वापसी कर पाएं। ओडिशा के अतिरिक्त, अरुणाचल प्रदेश की 60 सदस्यीय विधानसभा चुनाव में 54 प्रतिशत मत और 46 सीटों के प्रचंड बहुमत के बल पर भाजपा सरकार बनाने में सफल हुई है। छठा, पश्चिम बंगाल में तमाम तरह के विवाद, मुस्लिम कट्टरपंथियों के तुष्टीकरण और भ्रष्टाचार के आरोपों के बाद भी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस ने विरोधी आई.एन.डी.आई.ए. गठबंधन और भाजपा के खिलाफ चुनाव लड़कर 46 प्रतिशत मतों के साथ यहां की 42 में से 29 सीटें जीतने में सफलता प्राप्त की है। वर्ष 2014 के बाद तृणमूल का यह सबसे बेहतर प्रदर्शन है। सातवां, कौन जेल में रहेगा, इसका फैसला अदालतें करती हैं। परंतु दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इस चुनाव को अपने जेल के अंदर रहने या बाहर रहने का अधिकार मतदाताओं को सौंप दिया, जिसका नतीजा यह रहा कि उनके शासित वाले दिल्ली में 'आप' का खाता तक नहीं खुला, तो वहीं उनकी पार्टी पंजाब में विधानसभा चुनाव (2022) का चमत्कार दोहराने में विफल हो गई और 13 में से केवल 3 सीटें ही जीत पाई।

हिंदी पट्टी में कांग्रेस का पुनरुत्थान

के.एस. तोमर

2024 का संसदीय चुनाव कांग्रेस पार्टी के लिए वरदान साबित हुआ है क्योंकि यह उत्तर प्रदेश, पंजाब, राजस्थान, हरियाणा आदि में पुनरुत्थान के एक नए युग की शुरूआत करता है, जिसका श्रेय भाजपा के प्रचार अभियान की विभाजनकारी प्रकृति और हिंदुत्व पर ध्यान केंद्रित करने को दिया जा रहा है। किसानों, ग्रामीण संकट, आम लोगों की परेशानियां, बेरोजगार युवाओं की समस्या, आसमान छूती कीमतें आदि की अनदेखी की जाती रही है। पंजाब और पश्चिम बंगाल में अकेले चुनाव लडऩे के कांग्रेस पार्टी के फैसले का उसे भरपूर लाभ मिला क्योंकि आम आदमी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस ने सीधे तौर पर भगवा पार्टी के प्रदर्शन को प्रभावित किया। कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश में 6 सीटें जीतीं और इसका पुनरुत्थान पार्टी कार्यकर्त्ताओं को फिर से जीवंत कर देगा, जो सबसे पुरानी पार्टी के प्रदर्शन में लगातार गिरावट देख रहे हैं।

अखिलेश यादव यू.पी. में गठबंधन के पूरे गेम प्लान के 'सुपर हीरो' हैं क्योंकि उन्होंने गैर यादव उम्मीदवारों को प्राथमिकता देकर बगावत करते हुए सोशल इंजीनियरिंग की और 17 टिकट दलितों को और 5 टिकट केवल यादवों को आबंटित किए। यह भाजपा के 'चाणक्य' अमित शाह का डोमेन था, जिसे समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश ने पूरी तरह से क्रियान्वित किया जिससे कांग्रेस को भी मदद मिली। अखिलेश-राहुल की 'जोड़ी' विजयी हुई। हालांकि भाजपा ने हमेशा इनके पहले के असफल प्रवास का हवाला देते हुए इन दोनों का मजाक उड़ाया था। योगी का 'बुल्डोजर राज' मुसलमानों को अलग-थलग करने के लिए जिम्मेदार है और मोदी के 'करिश्मे' पर आलाकमान का अति-विश्वास वांछित परिणाम देने में विफल रहा। मोदी को गठबंधन सहयोगियों को एकजुट करने के लिए अपने राजनीतिक करियर की सबसे बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा क्योंकि चंद्र बाबू नायडू के नेतृत्व वाली तेलगू देशम पार्टी (तेदेपा) और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 'किंग मेकर' के रूप में उभरे हैं भाजपा से सत्ता छीन सकते हैं। दूसरा, भाजपा ने अपने 10 साल के कार्यकाल के दौरान कभी भी अपने सहयोगियों को महत्व नहीं दिया और यहां तक कि चुनाव भी मोदी ब्रांड की गारंटी पर केंद्रित रहा। अब नव-निर्वाचित सांसदों के शपथ लेने के बाद संसद में टकराव अलग होगा क्योंकि भाजपा की चिल्लाने वाली ब्रिगेड का मुकाबला करने के लिए 'इंडिया' गठबंधन के पास 234 की मजबूत ताकत होगी। राजग का 10 वर्षों के दौरान प्रचंड बहुमत के साथ बोलबाला था। सत्तारूढ़ दल को लोकसभा को सुचारू रूप से चलाने के लिए एक रणनीति बनानी होगी, जिसकी आवश्यकता तब नहीं थी जब भाजपा और उसके सहयोगी दलों का शासन था। तीसरा, विपक्ष ने 'अग्निवीर' योजना का भरपूर फायदा उठाया, जिसकी समीक्षा की आवश्यकता हो सकती है, खासकर तब जब कई सेवानिवृत्त जनरलों ने सेना में अपनी दीर्घकालिक उपयोगिता के बारे में अपनी आशंकाओं का अनुभव किया है। नई सरकार को अपने मापदंडों में संशोधन करने के लिए विपक्ष और सेवानिवृत्त सेना जनरलों के साथ इस पर चर्चा करनी चाहिए। चौथा, इन चुनावों में बड़े झटके को देखते हुए, अर्थशास्त्रियों का कहना है कि मोदी सरकार अधिक मुफ्त सुविधाओं पर विचार कर सकती है जो अर्थव्यवस्था को अस्थिर कर सकती है। ऐसे प्रलोभन से बचने की जरूरत है। पांचवां, नई सरकार बातचीत के बेहद संवेदनशील मुद्दे पर समझौता करेगी, जिसमें भारत द्वारा ईरान के चाबहार बंदरगाह समझौते से पीछे नहीं हटने पर अमरीका द्वारा प्रतिबंध लगाने की धमकी दी गई है। ईरान पर अमरीकी प्रतिबंध किसी भी मित्र राष्ट्र को ऐसे राष्ट्र के साथ कोई भी आर्थिक संबंध रखने से रोकता है। इन प्रतिबंधों के कारण अमरीका ने भारत को ईरान से कच्चे तेल का आयात बंद करने के लिए मजबूर कर दिया था, जिसके परिणामस्वरूप हर साल भारी वित्तीय नुकसान हुआ था। 'एक राष्ट्र-एक चुनाव' या समान नागरिक संहिता (यू.सी.सी.) के काल्पनिक विचारों को आगे बढ़ाना एक कठिन काम होगा क्योंकि विपक्ष के पास इसे रोकने की ताकत होगी। मोदी सरकार की विदेश नीति ने मालदीव, नेपाल आदि जैसे पड़ोसियों को अलग-थलग कर दिया है इसलिए इस पर 'पुनर्विचार' की आवश्यकता है क्योंकि वे चीन की ओर चले गए हैं जो क्षेत्र में अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए उनका उपयोग कर रहा है। पाकिस्तान के संबंध में भारत को राजनीतिक मुद्दों को किनारे रखकर व्यापार संबंध बनाने की उसकी पहल पर प्रतिक्रिया देनी चाहिए। नवाज शरीफ ब्रदर्स को इससे कोई आपत्ति नहीं होगी। राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि '400 पार' नारे के दोहरे उद्देश्य थे जिसका सकारात्मक परिणाम नहीं मिल सका। वाराणसी से हैट्रिक हासिल करने का श्रेय मोदी को जाता है, लेकिन यह एक कड़वा उपहार था क्योंकि वोट शेयर में कमी आई है। अंतिम मूल्यांकन में मोदी अपनी पार्टी और नेतृत्व की कमजोर स्थिति के साथ अगले 5 वर्षों तक देश पर शासन करेंगे, लेकिन उन्होंने भारत को विश्व शक्ति बनाने के लिए आूथक सुधारों को आगे बढ़ाने का संकल्प दिखाया है।

कानून के लंबे हाथ कभी-कभी छोटे भी पड़ जाते हैं

कहते हैं कि कानून के हाथ काफी लंबे होते हैं तथा यदि पुलिस व न्यायालय चाहे तो अपराधी को पाताल से भी निकाल कर सलाखों के पीछे धकेल सकते हैं। मगर हमारे देश में पैसे व रसूख से कुछ भी खरीदा जा सकता है। हमारी रगों में भ्रष्टाचार का खून बहता है जो साफ करने पर भी गंदा ही बना रहता है। कई ऐसी हृदयविदारक घटनाएं होती हैं, जिन्हें देख कर किसी भी सामान्य व्यक्ति की संवेदनाएं जागृत हो उठती हैं। यह भी ठीक है कि हमारी पुलिस व पूरी न्यायिक व्यवस्था अपराधियों को पकडऩे व उन्हें सजा देने से पीछे नहीं रहती मगर कहते हैं कि पैसे के आगे सब कुछ नतमस्तक हो जाता है। हमारा कानून अपनी आंखों पर काली पट्टी पहने रहता है तथा सबूतों का ही इंतजार करता रहता है। आम सामान्य अपराधियों को भले ही सजा हो जाती है मगर धनबली जिनको राजनीतिज्ञों व पुलिस इत्यादि सभी एजैंसियों का आशीर्वाद होता है, सजा से मुक्त होने में कामयाब हो ही जाते है। सभी कानूनी संस्थाओं को अपने अपने नियमों का भली-भांति ज्ञान होता है तथा यह एजैंसियां दिन को रात व रात को दिन बनाने में भी सक्षम होती हैं। आमतौर पर देखा गया है कि ट्रैफिक घटनाओं में पुलिस मुकद्दमा दर्ज ही नहीं करती तथा दोनों पक्षों में समझौता करवाने की कोशिश करती है। पुलिस चाहे तो बड़ी से बड़ी घटना को प्राकृतिक व सामान्य रूप दे सकती है तथा दूसरी तरफ छोटी घटना को एक बहुत बड़ा रूप भी दे सकती है। ऐसा तभी संभव होता है, जब या तो नीचे से ऊपर तक सभी भ्रष्टाचार का नंगा नाच कर रहे होते हैं या फिर कुछ ऐसे ईमानदार अधिकारी भी हैं जो खुद सत्यनिष्ठ व ईमानदार तो हैं, मगर वह या तो कानून की बारीकियों के बारे में अनभिज्ञ होते हैं या फिर वो आंखें मूंद कर अपना समय निकालते रहते हैं। अभी हाल ही में पुणे में 19 मई की एक ऐसी सड़क दुर्घटना का उदाहरण है जो पुलिस, आबकारी विभाग व न्यायपालिका पर एक बहुत बड़ा प्रश्नचिन्ह पैदा करती है, जिससे इन संस्थाओं पर से लोगों का विश्वास तुरंत उठ जाता है। एक बड़े धनबली के साढ़े 17 वर्ष के नाबालिग बेटे ने 19 मई की रात को एक होटल में 48,000 की महंगी से महंगी शराब पी तथा उसके बाद नशे में धुत्त होकर अपनी 2 करोड़ की गाड़ी को 200 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से सड़क पर एक मोटर साइकिल सवार जिस पर एक 24 वर्षीय लड़का व लड़की जा रहे थे, को बहुत बुरी तरह से कुचल कर मौके पर ही मार देता है तथा घटनास्थल से भागने की कोशिश करता है। मगर कुछ साहसी लोगों ने अपनी नैतिकता का फर्ज समझते हुए उसे पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया। अब पुलिस किस तरह अपने लंबे हाथों को बांध कर उस अपराधी को बचाने की कोशिश करने लगती है जो सचमुच पुलिस की छवि को धूमिल कर देती है। पुलिस ने इस बिगड़ैल लड़के को थाने में ले जाकर सुबह बर्गर व पिज्जा इत्यादि खिलाया तथा घटना की एफ.आई.आर. लगभग 6 घंटे के बाद सोच-समझ कर 8 बजे दर्ज की। उसका तुरंत मैडीकल नहीं करवाया गया तथा घटना के 15 घंटे के बाद शाम 3 बजे उसका ब्लड सैंपल लिया गया। उसका एक किशोर अपराधी की तरह किशोर अपराधी अधिनियम 2015 के अंर्तगत समायोजन किया गया तथा किशोर न्याय बोर्ड के सामने पेश कर दिया। हालांकि इस एक्ट में विशेष प्रावधान है कि यदि कोई युवक (18 वर्ष की कम आयु वाला) कोई जघन्य अपराध करता है तो उसे एक व्यस्क व्यक्ति की तरह ही गिरफ्तार करके उस पर आगामी कार्रवाई करनी चाहिए। बेईमानी की सीमा अभी समाप्त नहीं हुई। आरोपी के पिता ने फौरेंसिक लैब के निदेशक को 3 लाख रुपए देकर अपने आरोपी बेटे के खून के सैंपल ही बदलवा दिए। इस बात का खुलासा उस समय हुआ जब पुलिस ने आरोपी के ब्लड सैंपल एक अन्य लैब में भी भेज रखे थे तथा इस लैब की रिपोर्ट के अनुसार आरोपी ने शराब पी रखी थी। पुलिस ने इस सूचना के आधार पर आरोपी डाक्टरों को षड्यंत्र रचाने के लिए गिरफ्तार कर लिया है। ऐसा तभी संभव हो सका जब जागृत जनता व मीडिया ने एकजुट होकर आवाज उठाई। न जाने इन आरोपी डाक्टरों ने पहले भी कितने अपराधियों को लाभ पहुंचा कर अपने ईमान को बेच दिया होगा।

मायावती अगर 16 सीटों पर मदद नहीं करतीं तो मोदी का प्रधानमंत्री बनना मुश्किल हो जाता

नीरज कुमार दुबे

बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती एक समय उत्तर प्रदेश और देश की राजनीति में प्रमुख भूमिका निभाती थीं लेकिन समय ने ऐसी करवट बदली कि अब बसपा सिर्फ वोट कटवा पार्टी बन कर रह गयी है। अपनी शर्तों पर राजनीति करतीं रहीं मायावती की पार्टी का उत्तर प्रदेश में मात्र एक विधायक है जबकि कभी यहां उनके पास पूर्ण बहुमत हुआ करता था। मायावती ने चार बार उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री का पद संभाला लेकिन आज वह अपनी पार्टी को नहीं संभाल पा रही हैं। चुनाव विधानसभा के हों या लोकसभा के, मायावती और बसपा जिस बेमन से चुनाव लड़ते हैं उससे आरोप लगता है कि वह भाजपा की बी टीम हैं। जब अन्य दलों की तीन-चार दर्जन रैलियां हो जाती हैं तब मायावती प्रचार के लिए निकलती हैं। इसके अलावा, हाल के वर्षों में खासकर उत्तर प्रदेश में विधानसभा और लोकसभा के उपचुनावों के समय बसपा ने कई जगह ऐसे उम्मीदवार दिये जोकि विपक्षी मतों का विभाजन करवा कर भाजपा की जीत का मार्ग प्रशस्त कर सके। इस बार के लोकसभा चुनावों से पहले मायावती को इंडिया गठबंधन में शामिल होने का न्यौता दिया गया था लेकिन उन्होंने इसे ठुकरा दिया था। उत्तर प्रदेश में जिस तरह इंडिया गठबंधन की जीत हुई है उससे प्रतीत होता है कि यदि मायावती ने इंडिया गठबंधन का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया होता तो भाजपा को और भी नीचे लाया जा सकता था। मायावती ने जब इंडिया गठबंधन में शामिल नहीं होकर अकेले चुनाव लड़ने का निर्णय किया था तब भी कहा गया था कि ऐसा वह भाजपा के दबाव में कर रही हैं। यही नहीं उनके उत्तराधिकारी और भतीजे आकाश आनंद ने जब लोकसभा चुनाव प्रचार में धुआंधार

रैलिया करनी शुरू कीं और उन्हें मीडिया भी तवज्जो देने लगा तो एकदम से आकाश आनंद के पर इस बात को लेकर कतर दिये गये कि उन्होंने एक रैली में हिंसा भड़काने जैसा बयान दिया। देखा जाये तो आकाश आनंद ने जो कहा था वह गलत था लेकिन चुनावी रैलियों के दौरान विभिन्न दलों के नेता आकाश आनंद से भी ज्यादा बढ़-चढ़कर बातें कह रहे थे। अब जबकि लोकसभा चुनाव परिणाम सामने आ गये हैं तो एक बार फिर स्पष्ट हो गया है कि मायावती की ओर से अकेले लड़ने का निर्णय संभवत: भाजपा की मदद करने के लिए किया गया था। ऐसा हम इसलिए कह रहे हैं क्योंकि बहुजन समाज पार्टी ने उत्तर प्रदेश में भले एक भी लोकसभा सीट नहीं जीती हो लेकिन उसने 16 सीटों पर दूसरों का खेल बिगाड़ने में बड़ी भूमिका निभाई है। 16 सीटों पर बसपा को जितने वोट मिले हैं वो मुख्य प्रतिद्वंद्वियों की हार और जीत के अंतर से ज्यादा हैं। यह सभी 16 सीटें एनडीए के खाते में गयी हैं। इनमें से 14 सीटें भाजपा के पास हैं। एक सीट राष्ट्रीय लोक दल के पास और एक सीट अपना दल (सोनेलाल) के पास गयी है। कल्पना कीजिये कि यदि मायावती के उम्मीदवार मैदान में नहीं होते तो भाजपा को 240 की जगह 226 सीटें ही मिली होतीं और एनडीए का कुल आंकड़ा भी 278 सीटों का ही होता। आज उत्तर प्रदेश में भाजपा जो 33 सीटें लेकर आई है यदि मायावती के उम्मीदवार नहीं होते तो यह नंबर 19 हो सकता था। मायावती ने भाजपा की किस तरह मदद की इसको समझने के लिए उत्तर प्रदेश की भदोही सीट को देखें जहां पर बसपा प्रत्याशी को 1.6 लाख वोट मिले जिसने भाजपा उम्मीदवार डॉ. विनोद कुमार बिंद की जीत का रास्ता साफ कर दिया। इसी प्रकार मिर्जापुर में अपना दल (सोनेलाल) की अनुप्रिया पटेल 37810 वोटों से जीत पाईं क्योंकि बसपा के मनीष कुमार ने 1.4 लाख वोट लेकर सपा उम्मीदवार का खेल बिगाड़ दिया। मायावती के कारण इंडिया गठबंधन के खाते में आने से जो सीटें रह गयीं उनमें अकबरपुर, अलीगढ़, अमरोहा, बांसगांव, भदोही, बिजनौर, देवरिया, फर्रुखाबाद, फतेहपुर सीकरी, हरदोई, मेरठ, मिर्जापुर, मिश्रिख, फूलपुर, शाहजहांपुर और उन्नाव सीटें शामिल हैं। हम आपको यह भी याद दिला दें कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों के दौरान भी निचले स्तर तक यह संदेश पहुँचा था कि मायावती ने अपने वोटबैंक को भाजपा की मदद करने के लिए कहा है। हालांकि इस संदेश की सत्यता प्रमाणित नहीं हो पाई थी लेकिन इसने भाजपा को भारी लाभ पहुँचाया था। बहरहाल, यह चुनाव परिणाम दर्शाते हैं कि बसपा का कोर वोट बैंक दलित और जाटव अब इंडिया गठबंधन की ओर जा रहा है। बसपा के वोट बैंक में तीन फीसदी की गिरावट इस बात की जरूरत पर जोर देती है कि पार्टी नेतृत्व को अब गंभीरता से अपने भविष्य पर विचार करना चाहिए। पिछले लोकसभा चुनावों में मिली 10 सीटों की बजाय बसपा का इस बार शून्य पर सिमटना, ज्यादातर बसपा उम्मीदवारों की जमानत जब्त होना और बसपा की सोशल इंजीनियरिंग फॉर्मूले की हवा निकलने से मायावती का भड़कना भी स्वाभाविक है।

मायावती को चूंकि इस बार मुस्लिमों का वोट बिल्कुल नहीं मिला है इसलिए उनका आहत होना भी स्वाभाविक है लेकिन उनका सार्वजनिक रूप से किसी कौम को यह कहना गलत है कि कि वोट नहीं देने वालों को हम भविष्य में सोच समझ कर मौका देंगे। मायावती का यह बयान यह भी दर्शाता है कि वह भी उन नेताओं में शामिल हैं जो तुष्टिकरण की राजनीति करते हैं। देखा जाये तो तुष्टिकरण की राजनीति के लाभ अल्पकालिक ही होते हैं जिसने भी इसे अपनी राजनीति का आधार बनाया है उसकी जमीन एक ना एक दिन खिसकी ही है।

छत्तीसगढ़ में 179 उम्मीदवारों को नोटा से भी कम वोट

237 में से 194 कैंडिडेट जमानत नहीं बचा पाए, सबसे ज्यादा बीएसपी के प्रत्याशी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ की 11 लोकसभा सीटों पर 237 उम्मीदवारों में से 179 उम्मीदवार श्नोटाश् यानी श्इनमें से कोई नहींश् से ही हार गए। चुनाव लड़ रहे 43 प्रत्याशी ही नोटा से ज्यादा वोट ला सके। जबकि 194 प्रत्याशी अपनी जमानत तक नहीं बचा पाए। दिलचस्प बात ये है कि इनमें सबसे ज्यादा उम्मीदवार बहुजन समाज पार्टी के हैं।

जानकारी के अनुसार, जब भी कोई चुनाव होते हैं तो उसके लिए जमानत राशि तय की जाती है। लोकसभा इलेक्शन लड़ने के लिए 25 हजार रुपए जमा किए गए थे। यह राशि तभी लौटती है, जब कोई प्रत्याशी कुल पड़े वोटों का 1.66 प्रतिशत हासिल कर लेता है। इतने वोट मिलने पर प्रत्याशी की जमानत राशि वापस मिल जाती है।

छत्तीसगढ़ में पड़े कुल 1 करोड़ 50 लाख से ज्यादा वोट: प्रदेश की 11 लोकसभा सीटों में कुल 1 करोड़ 50 लाख 23 लाख 639 मतदाताओं ने मतदान किया है। इसमें से बीजेपी को 79 लाख 9 हजार 797 वोट, कांग्रेस को 61 लाख 68 हजार 408, अदर्स को 5 लाख 99 हजार 244, बीएसपी को 1 लाख 74 हजार 910, नोटा को 1 लाख 35 हजार 430,सीपीआई को 35 हजार 850 वोट मिला है।

चौथे नंबर पर रहा नोटा: छत्तीसगढ़ में में नोटा को कुल 1 लाख 35 हजार 430 वोट मिले हैं। इस हिसाब से वह चौथे नंबर पर रहा है। मतदाताओं से मत लेने के मामले में छत्तीसगढ़ में पहले नंबर पर बीजेपी, दूसरे नंबर पर कांग्रेस, तीसरे नंबर पर बीएसपी है।

रायपुर में सबसे बड़ी जीत, कांकेर में सबसे कम मॉर्जिन से जीत: सबसे बड़ी जीत भाजपा को रायपुर में मिली है। भाजपा के बृजमोहन अग्रवाल ने कांग्रेस प्रत्याशी विकास उपाध्याय को 5 लाख 75 हजार 285 वोटों के अंतर से हराया है। जीत का यह अंतर कांग्रेस प्रत्याशी को मिले कुल वोटों (475066) से भी ज्यादा है। सबसे कम मार्जिन से कांकेर लोकसभा सीट पर भाजपा के भोजराज नाग जीते हैं। उन्होंने कांग्रेस के बिरेश ठाकुर को करीबी मुकाबले में 1884 वोटों से हराया है। भाजपा का वोट शेयर छत्तीसगढ़ में हर सीट पर हर बार करीब 1 प्रतिशत तक बढ़ा है। सबसे ज्यादा अंतर रायपुर में आया है। इस बार 66.19% वोट भाजपा को मिले हैं।

अधिकारी एवं कर्मचारियों ने ली स्वच्छ हरित पर्यावरण की शपथ

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशन में परियोजना निदेशक नितेश उपाध्याय ने समय सीमा की बैठक के पश्चात् समस्त जिला अधिकारी एवं कर्मचारियों को स्वच्छ हरित पर्यावरण पर शपथ दिलायी।

सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों ने कहा कि मैं संकल्प लेता हू कि पर्यावरण की रक्षा हेतु अपने दैनिक जीवन में हर संभव बदलाव लाऊंगा, अपने व्यवहारों आदतों में परिवर्तन करते हुए वृक्ष मित्र, जल मित्र, वन पर्यावरण संरक्षण हेतु अग्रणी रहूंगा। मैं यह भी वचन देता हूं कि अपने परिवार, मित्रों, सहकर्मियों व अन्य लोगों को स्वच्छ हरित पर्यावरण के अनुकूल आदतों और व्यवहारों के महत्व के विषय में सतत रूप प्रेरित करूंगा। जय हिन्द, जय छत्तीसगढ़, जय पर्यावरण।

इस दौरान अपर डीएफओ नीरज, अपर कलेक्टर अनिल सिदार, एसडीएम मूलचंद चोपड़ा, लिंगराज सिदार, सर्व तहसीलदार, सर्व जनपद सीईओ, सर्व नगर पंचायत सीएमओ सहित जिला अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मरीज इंतजार करते रहे, डॉक्टर रहे गायब

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। बिलासपुर जिले के मस्तूरी के ओखर अस्पताल के बाहर मरीज डॉक्टर का इंतजार करते रहे, लेकिन अस्पताल का ताला दिन भर नहीं खुला। दरअसल, अस्पताल के डॉक्टर समेत 7 स्वास्थ्यकर्मी 25 मई को अस्पताल हीं नहीं पहुंचे। कलेक्टर अवनीश शरण ने डॉक्टर सहित 7 स्वास्थ्य कर्मियों के एक दिन की तनख्वाह काटने के निर्देश दिए हैं।

बीएमओ ने 7 कर्मचारियों को जारी किया नोटिस: मस्तूरी ब्लॉक के पीएचसी ओखर में 25 मई को ऑफिस टाइम में अस्पताल में ताला लकटते पाया गया। बड़ी संख्या में मरीज डॉक्टरों के आने का इंतजार कर रहे थे। कलेक्टर को जानकारी मिलने पर उन्होंने नाराजगी जताई। इस पर कार्रवाई के निर्देश दिए। बीएमओ ने 28 मई को 7 लोगों को शो कॉज नोटिस जारी किया।

इनके खिलाफ की गई कार्रवाई: डॉक्टर और स्वास्थ्य कर्मियों के जवाब संतोषप्रद नहीं पाए जाने पर सभी के एक दिन के वेतन काटने की सजा सुनाई गई।

चोरी का सोना गिरवी रखकर लिया लोन

सरगुजा में सूने मकान से किया था 10 तोला गोल्ड पार, बैंक भी जांच के दायरे में

मीडिया ऑडीटर, सरगुजा एजेंसी। सरगुजा जिले में चोरों ने सूने मकान का ताला तोड़कर 10 तोले से अधिक सोने-चांदी के जेवर और 30 हजार रुपए कैश पार कर दिए। चोरी के जेवर को बिलासपुर के आईसीआईसीआई बैंक में गिरवी रखकर चार लाख रुपए का लोन ले लिया। अब पुलिस ने 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बैंक से चोरी के जेवरात बरामद कर लिया है। वहीं, बैंक भी पुलिस जांच के दायरे में है।

जानकारी के मुताबिक, 23 अप्रैल को तकिया रोड निवासी समर प्रसाद जायसवाल परिवार के साथ गृहग्राम धंधापुर गए हुए थे। 17 मई को लौटे तो उन्हें घर का ताला टूटा मिला। जह उन्होंने घर का जायजा लिया तो 30 हजार रुपए नगद और 10 तोला से अधिक सोने-चांदी के जेवरात गायब मिले।

कई सीसीटीवी कैमरों की जांच में मिला सुराग: जांच के लिए कोतवाली, विशेष पुलिस टीम और साइबर सेल की संयुक्त टीम गठित की गई। घटना स्थल और आसपास के करीब 200 सीसीटीवी खंगाले गए जिसके बाद संदिग्धों की पहचान की गई। पुलिस ने घेराबंदी कर एमसीबी जिले के चिरमिरी निवासी 22 साल के दीपक देवास, 21 साल के रिजवान रहमान) और 21 साल के बादल कुशवाहा कान्छी को हिरासत में लिया।

परिचित ने बनाई थी चोरी की योजना: पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि, वे कोरिया जिले के पटना निवासी रामकुमार साहू के कहने पर चोरी के लिए आए थे। इसके बाद पुलिस ने 32 साल के रामकुमार साहू उर्फअनमोल को भी हिरासत में लिया। पूछताछ में रामकुमार साहू ने बताया कि अमित जायसवाल से उसकी पहचान करीब 6 महीने पहले से थी। अमित के गांव जाने पर उसने चोरी की योजना बनाई थी। राजकुमार के साथ उन्होंने घर की रेकी की।

चोरी के बाद बैंक में गिरवी रखा सोना: आरोपियों ने बताया कि वे 15 मई को चोरी के लिए अंबिकापुर पहुंचे। घर का ताला तोड़कर जेवरात और नगदी की चोरी की। सभी आरोपी अलग-अलग फरार होकर रेलवे स्टेशन अंबिकापुर के पास भाग गए। आरोपी रामकुमार साहू बिलासपुर प्ब्प् बैंक गया और सोने के गहनों को गिरवी रखकर 4 लाख रुपए का गोल्ड लोन कैश ले लिया। चांदी के जेवरात को आरोपियों ने 17 हजार रुपए में बेच दिया। चोरी की रकम आरोपियों ने आपस में बांटकर खर्च कर दिया।

बैंक से पुलिस ने बरामद किया सोना: पुलिस ने आरोपियों के पास से चांदी के जेवर बेचकर रखा 17 हजार कैश और घर से चोरी 30 हजार कैश बरामद कर लिया है। पुलिस ने बैंक में गिरवी रखा एक सोने का हार, चार नग अंगूठी, एक लॉकेट, 2 नग कंगन, 4 नग दाना को बरामद किया है। पुलिस ने चोरी की रिपोर्ट 3.30 लाख रुपए की लिखी थी। जब्त जेवरात और नगदी की कीमत पुलिस ने 5.35 लाख रुपए बताई गई है।

बैंक भी जांच के दायरे में: सरगुजा एएसपी अमोलक सिंह ने बताया कि आईसीआईसीआई बैंक बिलासपुर भी मामले में जांच के दायरे में है। चोरी का सोना बिना किसी दस्तावेज के बैंक ने गिरवी रख लिया था। पुलिस ने सभी आरोपियों को पुलिस ने कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड में जेल भेज दिया गया है।

एक ही नंबर की 2 गाड़ियों से गांजे की सप्लाई

1 क्विंटल गांजे के साथ 3 आरोपी गिरफ्तार, 3 गाड़ियां भी जब्त

मीडिया ऑडीटर, भिलाई एजेंसी। दुर्ग जिले की क्राइम टीम ने जामुल थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह एक क्विंटल गांजा के साथ 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से तीन गाड़ियों को जब्त किया है। जिसमें दो गाड़ियां एक ही नंबर की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जानकारी के मुताबिक, एक युवक कई सालों से गांजा बेचने का काम करता है। पुलिस को सूचना मिली थी कि उसके पास गांजे की बड़ी खेप आई है। वो लोग उसे अलग-अलग गाड़ियों में रखकर खपाने जा रहे हैं। क्राइम टीम ने गुरुवार सुबह छापेमारी कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

ओडिशा से लाता था गांजा: गिरफ्तारी के बाद उनके कब्जे से एक कार और दो पिकअप वाहन जब्त किया है। इन तीनों गाड़ियों में गांजा भरकर ले जाया जा रहा था। पूछताछ में पहले तो आरोपियों ने गोलमाल जवाब दिया, लेकिन जब कड़ाई से पूछताछ की गई, तो उसने बताया कि वो ओडिशा से गांजा लाकर जिला और आसपास के क्षेत्रों में उसकी सप्लाई करता है।

एक नंबर के दो पिकअप से करता था सप्लाई: आरोपी इतना शातिर है कि वो एक नंबर का दो पिकअप रखे हुए था। पुलिस उसके पास से जो दो पिकअप जब्त किया है, उन दोनों का नंबर सीजी 07 सीके 8751 है।

पुलिस का कहना है कि आरोपी दो गाड़ियों में एक ही नंबर रखता था। दोनों गाड़ियों को एक तरह की बनाकर रखा था। इससे अगर पुलिस गाड़ी को कहीं पकड़े तो वो उसे दूसरी जगह होना दिखाकर बच सके।

स्टूडेंट्स को पास होने के लिए मिलेगा सेकेंड चांस

छत्तीसगढ़ में 10वीं-12वीं की साल में 2 बार परीक्षा, जारी की गई अधिसूचना

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ में बोर्ड परीक्षाओं के स्टूडेंट्स को एग्जाम में पास होने के लिए अब सेकेंड चांस भी मिलेगा। पहले इसे पूरक परीक्षा या सप्लीमेंट्री एग्जाम भी कहा जाता था। इस सत्र में इसे दो परीक्षा नाम दिया गया है। माध्यमिक शिक्षा मंडल ने अधिसूचना भी जारी कर दी है। इसके लिए छत्तीसगढ़ बोर्ड की ओर से छात्रों और पेरेंट्स से 9 जून तक इस परीक्षा के लिए सुझाव भी मंगाए गए हैं। ताकि उनके आधार पर इसे लागू किया जा सके।

इसी सत्र से लागू होगा दो परीक्षा नियम: एक ही सत्र में दो बार बोर्ड परीक्षा के फैसले के बाद से ही चर्चा थी कि विभाग इसे सत्र 25-26 से लागू कर सकता है। लेकिन विभाग ने इसी सत्र यानी 2024-25 से इस नियम को लागू करने की तैयारी की है। पेरेंट्स और स्टूडेंट्स के सुझाव के आधार पर जल्द ही पूरे दिशा-निर्देश भी जारी किए जाएंगे।

छत्तीसगढ़ में दो बार बोर्ड की परीक्षाएं होंगी: कुल मिलाकर अब छत्तीसगढ़ में दो बार बोर्ड की परीक्षाएं होंगी। दूसरी बार परीक्षा जून में होगी। इसमें ऐसे स्टूडेंट्स को मौका मिलेगा जो पहली परीक्षा में फेल, सप्लीमेंट्री या फिर किसी वजह से गैरहाजिर रहे। फायदा ये है कि सेकेंड चांस मिलने से कई स्टूडेंट्स का साल खराब नहीं होगा।

सप्लीमेंट्री वाले छात्र एक सब्जेक्ट की परीक्षा देंगे: दो बार बोर्ड परीक्षा के तहत पहली परीक्षा में अगर किसी छात्र का रिजल्ट पूरक आता है या फिर वह दो सब्जेक्ट्स में फेल हो जाता है, तो दूसरी परीक्षा वह उसी विषय की देगा। अगर वह चाहे तो कैटेगरी इम्प्रूवमेंट और ज्यादा नंबर के लिए सभी विषयों के एग्जाम्स में भी बैठे सकता है। पहली परीक्षा में पास हुए विषय की दोबारा परीक्षा देने पर भी अगर छात्र फेल हो जाता है, तब भी पहले रिजल्ट के आधार पर उसे पास माना जाएगा। जानकारों का कहना है कि दो बार बोर्ड एग्जाम का फॉर्मूला लागू होने के बाद अलग से पूरक परीक्षा नहीं होगी। यह दूसरी परीक्षा में तब्दील हो जाएगी।

पहली परीक्षा में रजिस्टर्ड छात्र ही दूसरी बार सकेंगे आवेदन: साल में दो बार परीक्षा के लिए कुछ नियम भी तय किए गए हैं। पहली परीक्षा के लिए रजिस्टर्ड छात्र ही दूसरी परीक्षा के लिए आवेदन कर सकेंगे। पहली परीक्षा में जो विषय लेंगे, वही दूसरी परीक्षा में भी रखने होंगे। यानी विषय में बदलाव नहीं होगा। पहली परीक्षा के बाद दूसरी परीक्षा के लिए आवेदन भरे जाएंगे। जिन छात्रों का रिजल्ट पूरक आया या फेल हैं, वे दूसरी परीक्षा के लिए आवेदन कर सकेंगे। श्रेणी सुधार के लिए भी दूसरी परीक्षा के फॉर्म भरे जा सकते हैं। वे छात्र जो आवेदन के बाद पहली परीक्षा में शामिल नहीं हो पाए, वे दूसरी परीक्षा में शामिल हो सकेंगे। दूसरी परीक्षा का रिजल्ट दोनों परीक्षाओं में विषयवार ज्यादा मिले मार्क्स के आधार पर तैयार किया जाएगा।

सड़क हादसे में पंचायत सचिव की मौत

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। बिलासपुर में तेज रफ्तार हाइवा ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार पंचायत सचिव की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि सचिव बुधवार की रात ड्यूटी से लौट रहे थे। तभी हाइवा ने उनकी बाइक को ठोकर मार दी। बाइक उछलकर सड़क से दूर जा गिरी और वो गंभीर रूप से घायल हो गए। अस्पताल ले जाने के बाद उनकी मौत हो गई। घटना मस्तूरी थाना क्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक, बनौरी निवासी राजाराम कुर्रे पंचायत सचिव के पद पर काम करता था। उनकी पोस्टिंग मस्तूरी जनपद पंचायत के ग्राम एरमसाही में थी। बुधवार को वे ड्यूटी पर एरमसाही गया था, जहां से काम निपटाने के बाद देर शाम वो अपने गांव लौट रहा था। बाइक सवार पंचायत सचिव मल्हार क्षेत्र के ग्राम नेवारी करियाताल के पास पहुंचा था।

सीमेंट से भरा ट्रक जलकर राख

सड़क किनारे खड़े ट्रक को मारी टक्कर, फिर बिजली पोल में घुसी, हाईटेंशन तार से लगी आग

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। रायपुर में एक तेज रफ्तार ट्रक में आग लग गई। सीमेंट से भरा ट्रक अनियंत्रित होकर पहले सड़क के किनारे खड़े ट्रक को टक्कर मारी। फिर बिजली पोल से टकराने के बाद आग में जलकर राख हो गई। खड़े ट्रक में भी धान भरा हुआ था, एक्सीडेंट के बाद वह भी सड़क पर पलट गया। वहीं हादसे में ड्राइवर को गंभीर चोंटे आई हैं। यह हादसा गोबरा नवापारा थाना क्षेत्र में हुआ है।

जानकारी के मुताबिक, बुधवार को गोबरा नवापारा थाना क्षेत्र के ग्राम पोंड (चम्पारण) के पास धान से भरा ट्रक सड़क किनारे खड़ा था। गाड़ी के अंदर ट्रक ड्राइवर और कंडक्टर आराम कर रहे थे। तभी आरंग की ओर से सीमेंट से भरी तेज रफ्तार ट्रक ने धान से भरे ट्रक को पीछे से टक्कर मारी दी। हादसे में धान से भरा ट्रक पलट गया और उसमे लोड धान सड़क पर बिखर गया।

बिजली पोल से टकराई, जलकर राख: धान से भरे ट्रक को टक्कर मारते हुए सीमेंट से भरा ट्रक पास में ही मौजूद बिजली पोल से टकराकर हाईटेंशन तार की चपेट में आ गया। तारों के आपस में टकराने से तेजी से चिंगारी उठी, जिससे ट्रक में भीषण आग लग गई। देखते ही देखते ट्रक धूं-धूं कर जलने लगा।

कुछ देर बाद फायर ब्रिगेड ने बुझाई आग: इस घटना की सूचना आसपास मौजूद ग्रामीणों में पुलिस और फायर ब्रिगेड को दी। फिर कुछ देर में आग में काबू पाया गया। साथ ही आसपास के लोगों की मदद से ट्रक में फंसे घायल ड्राइवर और कंडक्टर को तुरंत बाहर निकाल लिया गया, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। फिलहाल पुलिस मामले में आगे की जांच कर रही है।

कलेक्टर ने ली समय सीमा की बैठक

संबंधित विभाग लंबित पेंशन प्रकरणों का समय-सीमा करें निराकरण

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट ने आज समय सीमा की बैठक में विभाग वार लंबित प्रकरणों पर भी चर्चा की। जिसमें न्यायालय प्रकरण अन्य लंबित प्रकरणों में राजस्व, जिला पंचायत, वरिष्ठ लिपिक शाखा, न्यायिक शाखा, वन विभाग, शिकायत शाखा, लोक सेवा गारंटी, वित्त स्थापना, भू-अर्जन शाखा, पुरातत्व शाखा, खाद्य विभाग, जिला मिशन समन्वयक, समग्र शिक्षा, आदिवासी विभाग, जल संसाधन विभाग, स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खनिज, श्रम, समाज कल्याण, लोक निर्माण, ई-गवर्नेंस सोसायटी, लीड बैंक, महिला एवं बाल विकास, खेल विभाग, आबकारी, सांख्यिकी, जनपद पंचायत, नगर पालिका, नगर निगम, नगर पंचायत, शिक्षा, स्वास्थ्य, विद्युत, स्वास्थ्य, एसईसीएल, कृषि विभाग इत्यादि के प्रकरणों पर क्रमवार चर्चा करते हुए उन्होंने स्वीकृत हुए कार्यों की फाइल जल्द से जल्द तैयार करने के निर्देश दिये।

उन्होंने सभी कार्यों की जियो टैग की फेटो जमा करने के निर्देश दिये। उन्होंने डीएमएफमद से जो आवश्यक कार्य उनके प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिये है। उन्होंने महिला बाल विकास विभाग को जिले में जितने भी आगंनबाड़ी बनने है उनकी भी प्रस्ताव जल्द से जल्द प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अनिवार्य कार्य के प्रस्ताव भी डीएमएफमद में जोडने के निर्देश दिये। उन्होंने आमाखेरवा में बनने वाले जिला अस्पताल, आयुर्वेद अस्पताल, सीएमएचओ ऑफिस का चिन्हाकंन करने के लिए निर्देश दिये। इसके लिए उन्होंने तहसीलदार और सीजीएससी के कर्मचारी को संयुक्त दौरा करने के निर्देश दिये। उन्होंने शासकीय सेवा से अधिवार्षिकी आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त, मृत होने वाले अधिकारीध्कर्मचारियों के पेंशन/लंबित पेंशन एवं सामान्य भविष्य निधि के प्रकरणों का शासन द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों के अनुसार समय सीमा में निराकृत करने के निर्देश दिये। उन्होंने नगर पंचायत सीएमओ मनेंद्रगढ़ तथा नगर पंचायत खोंगापानी को उन्होंने एसईसीएल की अवैध कब्जा किये गये क्वार्टरों को जिला अधिकारियों के लिए खाली कराने के निर्देश दिये। उन्होंने आने समय में प्रत्येक ब्लॉक में शासकीय शिविर लगाने के लिए कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिये। शिविर ऐसे लगाये जाये जिससे हितग्राहियों का शासकीय योजनाओं को अधिक से अधिक लोगों तक पहुचाया जा सके।

इस दौरान अपर डीएफओ नीरज, अपर कलेक्टर अनिल सिदार, एसडीएम मूलचंद चोपड़ा, लिंगराज सिदार, सर्व तहसीलदार, सर्व जनपद सीईओ, सर्व नगर पंचायत सीएमओ सहित जिला अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

नेपाल में बढ़ते तापमान ने घटाई मधुमक्खियों की संख्या

कम हुआ 'पागल शहद' का प्रॉडक्शन

नेपाल. नेपाल में हिमालय की चट्टानों में रहने वाली मधुमक्खियों की संख्या में कमी आ रही है. इसी के साथ मधुमक्खियों के छत्तों की संख्या भी घट रही है. कुछ एक्सपर्ट्स मानते हैं जलवायु परिवर्तन की वजह से बढ़ता तापमान मधुमक्खियों की वृद्धि, उनके खाने की उपलब्धता और यहां तक ??कि पौधों के परागण को नुकसान पहुंचा रहा है.

रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक नेपाल का गुरुंग समुदाय चट्टानों पर लटके इन छत्तों से शहद निकालने का काम सदियों से करता आया है. ये लोग राजधानी काठमांडू से लगभग 175 किमी. (110 मील) पश्चिम में स्थित ताप, लामजुंग और कास्की जिलों के गांवों में रहते हैं.अब मधुमक्खियों की कम होती संख्या इनके काम को खासा प्रभावित कर कर रही हैं. यहां तक की पीढ़ियों पुराना यह शिल्प खत्म होता जा रहा है.

गुरुंग समुदाय की आमदनी में आ रही कमी: समुदाय की एक सदस्य 49 वर्षीय चित्रा बहादुर गुरुंग ने कहा, %पिछले साल लगभग 35 छत्ते थे, अब हमारे पास मुश्किल से 15 बचे हैं.

41 वर्षीय हेम राज गुरुंग ने बताया कि हर साल शहद की उपलब्धता कम होने की वजह से पिछले दशक में इस काम से होने वाली आमदनी में गिरावट आई है.

हेम राज ने कहा, 'हमने 10 साल पहले लगभग 600 किलोग्राम शहद का उत्पादन किया था, जो पिछले साल घटकर लगभग 180 किलोग्राम रह गया और इस साल लगभग 100 किलोग्राम ही हो पाया है.

'पागल शहद' में होता है नशा: रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक मधुमक्खियों के छत्ते का अर्क, जिसे पागल शहद के नाम से भी जाना जाता है, अपने खास नशे के लिए जाना जाता है और 2,000 नेपाली रुपये (1.5) प्रति लीटर बिकता है.

मधुमक्खियों की संख्या में गिरावट के कारण: कुछ एक्सपर्ट्स वैश्विक तापमान वृद्धि के कारण जलवायु परिवर्तन को गिरावट का मुख्य कारण मानते हैं. हालांकि दूसरे भी कई कारण जिम्मेदार है, जैसे - वनों की कटाई, नदियों के पानी को जलविद्युत बांधों के लिए मोड़ना और कीटनाशकों का इस्तेमाल.

संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों और स्वतंत्र शोध से पता चलता है कि धरती की सबसे ऊंची चोटियों का घर हिमालय में तापमान बढ़ रहा है।

जल-स्त्रोतों के आस-पास वृक्षारोपण को प्रोत्साहित किया जाए-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि 5 जून से प्रदेश में आरंभ जल गंगा संवर्धन अभियान में जल-स्त्रोतों के संरक्षण और साफ-सफाई के साथ-साथ इन स्थानों पर वृक्षारोपण को प्रोत्साहित किया जाए। प्रदेश में अभियान अवधि में 5 करोड़ 50 लाख पौधे रोपने का लक्ष्य है, संपूर्ण प्रदेश में जन भागीदारी से पौधे लगाए जाएंगे। जल-गंगा संवर्धन अभियान, गंगा दशमी के बाद भी जारी रहेगा, सभी स्थानीय निकाय अपने-अपने स्तर पर अभियान संबंधी गतिविधियां संचालित करेंगे। हरियाली अमावस्या के बाद सघन रूप से पौधरोपण की गतिविधियां संचालित की जाएंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल में छोटे तालाब की साफ-सफाई के लिए नगर निगम भोपाल द्वारा जन-भागीदारी से चलाए जा रहे अभियान की सराहना करते हुए कहा कि प्रदेश में वॉटर स्पोर्ट्स को प्रोत्साहित किया जाएगा। भोपाल के साथ-साथ इंदौर और उज्जैन में भी वॉटर स्पोर्ट्स की गतिविधियां संचालित की जा रही हैं, अगले ओलंपिक में पदक लाना हमारा लक्ष्य होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव जल स्त्रोतों के संरक्षण और पुनर्जीवन के लिए चलाये जा रहे जल-गंगा संवर्धन अभियान के दूसरे दिन भोपाल के छोटे तालाब की स्वच्छता के लिए श्रमदान करने के बाद सभा को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय संस्कृति में नदी, पर्वत और पृथ्वी में जीवन माना गया है।

चंद्रबाबू नायडू 12 जून को सीएम पद की शपथ लेंगे

अमरावती। तेलुगु देशम पार्टी अध्यक्ष एन चंद्रबाबू नायडू 12 जून को आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। समारोह अमरावती में होगा। इसमें नरेंद्र मोदी और नए केंद्रीय कैबिनेट के कई मंत्री शामिल होंगे। नायडू का शपथ समारोह पहले 9 जून को होने वाला था। हालांकि, मोदी के शपथ समारोह के चलते इसे टाल दिया गया। चंद्रबाबू नायडू चौथी बार राज्य के मुख्यमंत्री बनने जा रहे है। इससे पहले उन्होंने 1 सितंबर 1995, 11 अक्टूबर 1999 और 8 जून 2014 को तीन बार सीएम पद की शपथ ली थी। 2019 में वॉयएसआरसीपी अध्यक्ष जगन मोहन रेड्डी ने जीत दर्ज कर उनसे सत्ता छीनी थी। सूत्रों के मुताबिक, नायडू शपथ ग्रहण के दिन अमरावती को राज्य की राजधानी बनाने का ऐलान कर सकते हैं। 2 जून को हैदराबाद को तेलंगाना और आंध्र प्रदेश की संयुक्त राजधानी रखने के लिए 10 साल का कॉन्ट्रैक्ट खत्म हो गया। अभी आंध्र देश का एकमात्र ऐसा राज्य है, जिसकी कोई राजधानी नहीं है। अमरावती नायडू के लिए खास महत्व रखता है। 2014 में आंध्र प्रदेश का बंटवारा दो हिस्सों में हुआ था। तेलंगाना अलग राज्य बना। 2014 के आंध्र प्रदेश पुनर्गठन एक्ट के मुताबिक, हैदराबाद ही इन दोनों राज्यों की राजधानी बनी रही, लेकिन एक्ट के मुताबिक ये सिर्फ 10 साल का कॉन्ट्रैक्ट था।

मोदी का शपथग्रहण 9 जून को शाम 6 बजे

नई दिल्ली। मोदी सरकार के शपथ ग्रहण की गुरुवार (6 जून) को नई डेट आई। मोदी 9 जून को शाम 6 बजे शपथ ले सकते हैं। पहले 8 जून को शपथ लेने की खबरें थीं। सूत्रों के मुताबिक, लोकसभा चुनाव में भाजपा के जीते सभी मंत्री इस बार भी रिपीट होंगे। विवाद से जुड़े चेहरों के नाम मंत्री पद की लिस्ट से काटे जा सकते हैं। चुनाव हारीं स्मृति ईरानी और राजीव चंद्रशेखर को पार्टी एक और मौका दे सकती है। इन्हें फिर से मंत्री पद मिल सकता है। दिल्ली में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के घर को अहम बैठक हुई। इसमें अमित शाह और राजनाथ सिंह भी मौजूद रहे। बैठक में नई सरकार बनाने, भाजपा और उसके सहयोगी दलों को मंत्रिमंडल में जगह देने और शपथ ग्रहण की तैयारियों समेत कई मुद्दों पर चर्चा की खबर है।

लोकसभा चुनाव में भाजपा को 240 सीटें मिली हैं। यह बहुमत के आंकड़े (272) से 32 सीटें कम हैं। हालांकि, एनडीए ने 293 सीटों के साथ बहुमत के आंकड़े को पार कर लिया। एनडीए में भाजपा के अलावा 14 सहयोगी दलों के 53 सांसद हैं। गठबंधन में चंद्रबाबू की टीडीपी 16 सीटों के साथ दूसरी और नीतीश की जेडीयू 12 सीटों के साथ तीसरी सबसे बड़ी पार्टी है। दोनों ही पार्टियां इस वक्त भाजपा के लिए जरूरी हैं।

इनके बिना भाजपा का सरकार बनाना मुश्किल है।

राहुल बोले- स्टॉक मार्केट में इतिहास का सबसे बड़ा घोटाला

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर 4 जून रिजल्ट डे पर स्टॉक मार्केट की गिरावट को बड़ा घोटाला बताया। उन्होंने इसकी जेपीसी (जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी) से जांच कराने की मांग की है।

राहुल गांधी ने कहा, पहले गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि आने वाली 4 जून को लोकसभा चुनाव के नतीजे आएंगे, तो शेयर बाजार आसमान पर जाएगा। इसके तुरंत बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शेयर बाजार में रिकॉर्ड तेजी आने की बात कहते हुए लोगों को शेयर खरीदने की सलाह दी। इसके बाद वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी इसी तरीके से शेयर बाजार में जोरदार उछाल की बात कही थी। राहुल ने कहा, ये शेयर मार्केट का सबसे बड़ा घोटाला है, 4 जून के पहले शेयर खरीदें। 1 जून को एग्जिट पोल आता है। बीजेपी का इंटरनल सर्वे पार्टी को 220 सीटें दे रहा था। इंटेलिजेंस ने कहा था सरकार की 200-220 सीटें आ रही हैं।

3 जून को स्टॉक मार्केट रिकॉर्ड तोड़ देता है। 4 जून को स्टॉक मार्केट नीचे चला जाता है। 31 मई को भारी स्टॉक एक्टिविटी थी। ये वो लोग थे, जो जानते थे कि कोई न कोई घपला हो रहा है। हजारों, करोड़ों यहां इन्वेस्ट हुए। 30 लाख करोड़ का नुकसान हुआ। रिटेल इन्वेस्टर का नुकसान हुआ।

हम सीएम नीतीश के नेतृत्व में लड़ेंगे 2025 का विधानसभा चुनाव, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का बड़ा ऐलान

पटना। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि हम 2025 का विधानसभा चुनाव मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि इसमें दिक्कत कहां है। बिहार में 1996 से हम नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ रहे हैं। सम्राट चौधरी ने कहा कि देश की जनता ने 292 सीट देकर नरेंद्र मोदी को फिर से प्रधानमंत्री बनने का मौका

दिया है और यह इतिहास में पहली बार है जब लगातार तीसरी बार कोई व्यक्ति प्रधानमंत्री बन रहा है...हमने समीक्षा की है...नीतीश कुमार बिहार के नेता हैं...बिहार के विकास के लिए प्रधानमंत्री मोदी और नीतीश कुमार दोनों प्रतिबद्ध हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि बिहार में एनडीए को 75 परसेंट मार्क्स मिला है। जो लोग परसेप्शन बना रहे थे, वो ग़लत हो गया। बिहार की जनता ने हमें 75 फीसदी मार्क्स दिया। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार के नेतृत्व में हमने चुनाव लड़ा।

मोदी के शपथ ग्रहण में मुइज्जू को भी न्योता

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव में एनडीए की जीत के बाद नरेंद्र मोदी 9 जून को लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ले सकते हैं। इसके लिए मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू को भी न्योता भेजा गया है। मुइज्जू के पिछले साल राष्ट्रपति बनते ही मालदीव-भारत के रिश्ते बिगड़े थे। मालदीव के कुछ मंत्रियों ने मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा का भी इस्तेमाल किया था। शपथ ग्रहण के लिए भारत के पड़ोसी देशों के लीडर्स को न्योता भेजा जाएगा।इनमें श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे, बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना, नेपाल के पीएम प्रचंड समेत मॉरीशस और भूटान के नेता शामिल होंगे। श्रीलंका के राष्ट्रपति के मीडिया डिविजन ने इसकी पुष्टि भी की।

अजित पवार खेमे के 10-15 विधायक शरद पवार के संपर्क में, एनसीपी ने किया इनकार

मुंबई। महाराष्ट्र में अजित पवार के राकांपा गुट के लगभग 10-15 विधायक शरद पवार खेमे के संपर्क में हैं। यह घटनाक्रम महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले हुआ है और अजित पवार की राकांपा सिर्फ एक लोकसभा सीट जीतने में कामयाब रही है। किसी पार्टी का नाम लिए बिना एनसीपी (शरदचंद्र पवार) के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल ने कहा कि कई नेता उनके संपर्क में हैं। उन्होंने कहा, हम 9 जून को अपनी बैठक में इन प्रस्तावों पर विचार करेंगे। 10 जून को हमारा स्थापना दिवस है। महाराष्ट्र में राजनीतिक मंथन के बीच मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे असंतुष्ट नेताओं को मनाने के लिए जल्द ही कैबिनेट विस्तार कर सकते हैं। इससे पहले दिन में, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने लोकसभा चुनावों में खराब प्रदर्शन पर विचार-विमर्श करने के लिए अपनी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक की। अजित पवार की राकांपा ने चार लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ा और केवल एक - रायगढ़ - हासिल करने में सफल रही। पार्टी के लिए एक बड़े उलटफेर में, अजीत पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार बारामती लोकसभा सीट से शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले से 1.5 लाख से अधिक वोटों से हार गईं।

पिछले साल अजित पवार ने अपने चाचा शरद पवार के खिलाफ बगावत

कई लोगों की दिन-रात की मेहनत का परिणाम, 15 साल बाद पार्टी ने किया अच्छा प्रदर्शन-कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस भले ही सत्ता से दूर रही हो, पर 15 साल बाद सबसे अच्छे प्रदर्शन से पार्टी ने जोश भर दिया है। कांग्रेस की सीटें दोगुनी होने में जितनी मेहनत कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व नेता राहुल गांधी और महासचिव प्रियंका गांधी की है, उतनी ही मेहनत कई अन्य नेताओं की भी है। इनमें पार्टी के एजेंडे को धार देने के साथ इसे जमीन पर उतारा। यही वजह है कि पार्टी की सीटें 52 से बढ़कर 99 पर पहुंच गई। दरअसल, कांग्रेस अध्यक्ष खरगे, राहुल व प्रियंका ने करीब 100-100 रैलियां कर जीत के लिए रास्ता बनाया। कांग्रेस ने इस बार अपने प्रचार बदलाव किया। पार्टी के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रतिदिन सुबह एक वीडियो जारी किया गया

एनडीए में वापसी के लिए उद्धव ठाकरे के संपर्क में भाजपा कुनबा बढ़ाने की है कोशिश

नई दिल्ली। नरेंद्र मोदी ने एनडीए की सरकार बनाने का दावा किया है। सूत्रों के अनुसार, मोदी पीएम के तौर पर 9 जून को शपथ ले सकते हैं। अन्य पार्टियों को साथ में जोड़ने के लिए बीजेपी पूरी जोर लगा रही है। नीतिश कुमार ने पहले ही साफ कर दिया कि वो एनडीए की सरकार बनाने जा रहे हैं। वहीं अब खबर ये भी आ रही है कि बीजेपी एनडीए में वापसी के लिए उद्धव ठाकरे के संपर्क में है। एक केंद्रीय मंत्री को उद्धव से बातचीत में लगाया गया है। हालांकि बीजेपी के सामने इसमें सबसे बड़ी चुनौती एकनाथ शिंदे को मनाना होगा। इसके साथ ही शिंदे गुट के सांसदों का क्या स्टैंड होगा। बताया जा रहा है कि जेपी नड्डा के आवास पर जब बैठक हुई तो ये कहा गया कि उद्धव ठाकरे को वापस एनडीए में लाया जाए क्योंकि एनडीए को कुनबा बढ़ाने की जरूरत है। हालांकि उद्धव ठाकरे कि इस पर क्या प्रतिक्रिया होगी ये महत्वपूर्ण है, जिनका कहना है कि उन्होंने इन चुनावों में पिता की विरासत नहीं, बल्कि जीरो से शुरुआत की है। दरअसल, बीजेपी बहुमत हासिल नहीं कर पाई है, जिस कारण वह अन्य सहयोगियों पर निर्भर है।

1 से 10 जुलाई तक होगी अग्निवीर भर्ती

राजस्थान। राजस्थान के उदयपुर में अग्निवीर भर्ती रैली आगामी 01 से 10 जुलाई तक आयोजित होगी। इसमें लिखित परीक्षा उत्तीर्ण प्रदेश भर के साढ़े सात हजार से अधिक अभ्यर्थी शामिल होंगे। भारतीय सेना से भर्ती रैली के प्रभारी कर्नल सिंह ने बताया कि इस रैली में उदयपुर, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़ सहित प्रदेश के सभी जिलों से लिखित परीक्षा उत्तीर्ण अभ्यर्थी भाग लेंगे। इसमें प्रतिदिन औसतन 1000-1000 अभ्यर्थी भाग लेंगे। भर्ती प्रक्रिया की शुरुआत दौड़ से होगी। इसमें उत्तीर्ण अभ्यर्थियों के लिये आगे के टेस्ट सहित अन्य गतिविधियां आयोजित की जायेंगी। भर्ती रैली को सफल बनाने के लिये जिला कलेक्टर के निर्देशन में तैयारी बैठक बुधवार को अतिरिक्त जिला कलेक्टर शहर राजीव द्विवेदी की अध्यक्षता में हुई। इसमें भर्ती रैली के स्थल से लेकर जरूरी व्यवस्थाओं पर चर्चा करते हुये अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गयी। बैठक में भर्ती रैली के आयोजन स्थल को लेकर चर्चा की गयी। इसमें खेलगांव परिसर को सर्वाधिक उपयुक्त मानते हुये वहीं तैयारियां प्रारंभ करने का निर्णय लिया गया।

बड़ी जीत के बाद मंडी की संसद कंगना रनौत नई दिल्ली के लिए रवाना

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश के मंडी निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा चुनाव जीतने के कुछ ही दिनों बाद, कंगना रनौत नई दिल्ली चली गईं। 6 जून को, अभिनेता से नेता बनीं अभिनेत्री ने अपनी इंस्टाग्राम कहानियों पर मंडी, हिमाचल प्रदेश से निकलते समय कुछ तस्वीरें साझा कीं। एक तस्वीर में कंगना को अपनी मां आशा रनौत के साथ गर्मजोशी से गले मिलते हुए देखा गया, जब वह मंडी में अपने परिवार को अलविदा कह रही थीं। उन्होंने लैवेंडर साड़ी में एक और तस्वीर साझा की, जिसमें उन्होंने खुद को मंडी की संसद (मंडी से सांसद) बताया। 4 जून को, कंगना रनौत ने अपने कांग्रेस प्रतिद्वंद्वी विक्रमादित्य सिंह के खिलाफ 74,755 वोटों के साथ मंडी लोकसभा सीट जीती। चुनाव आयोग के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, बॉलीवुड अभिनेता से नेता बने विक्रमादित्य सिंह को 5,37,022 वोट मिले, जबकि छह बार हिमाचल प्रदेश के

मुख्यमंत्री रहे वीरभद्र सिंह के बेटे विक्रमादित्य सिंह 4,62,267 वोटों के साथ पीछे रहे। दिखाया गया। काम के मोर्चे पर, कंगना रनौत अगली बार अपने निर्देशन की पहली फिल्म इमरजेंसी में दिखाई देंगी, जो उनके होम बैनर मणिकर्णिका फिल्म्स द्वारा समर्थित है। वह पूर्व भारतीय प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका निभा रही हैं। यह फिल्म 1975 से 1977 तक तत्कालीन कांग्रेस सरकार द्वारा लगाए गए आपातकाल की पृष्ठभूमि पर आधारित है।

टीएमसी का दावा- बीजेपी के सांसद-विधायक उनके संपर्क में, राउत बोले- मोदी को तीसरी कसम ले लेने दीजिए, हमारी चौथी कसम बाद में

नई दिल्ली। टीएमसी से जुड़े सूत्रों ने गुरुवार 6 जून को दावा किया कि पश्चिम बंगाल में कई बीजेपी के सांसद और विधायक उनकी पार्टी के संपर्क में हैं। इसको लेकर आने वाले हफ्ते में पार्टी इस पर फैसला ले सकती है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी लोकसभा में नेता विपक्ष चुने जा सकते हैं। माना जा रहा है कि कांग्रेस संसदीय दल की बैठक में उन्हें नेता चुना जाएगा। राहुल आज शाम 5 बजे पार्टी मुख्य मुख्यालय में प्रेस ब्रीफिंग करने वाले हैं। इस बीच, शिवसेना उद्धव गुट के नेता संजय राउत ने कहा कि मोदी को तीसरी कसम (तीसरी बार पीएम पद की शपथ) ले लेने दीजिए। इसके बाद हम चौथी कसम यानी शपथ ले लेंगे। इसके लिए अभी इंतजार कीजिए। आरजेडी नेता मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि जेडीयू की अहम भूमिका होने जा रही है। इस पर देश की नजर है। नीतीश महात्मा गांधी के विचारों को मानने वाले हैं। सरकार के जो विवादित मुद्दे रहे हैं, चाहे वो अग्निवीर योजना हो, बिहार को विशेष दर्जा दिया जाना हो या फिर जाति जनगणना की जानी हो।

बिहार की जनता को क्या मिलेगा, राज्य की जनता इसको लेकर नीतीश की तरफ देख रही है। मुंबई में शरद पवार अपने पार्टी ऑफिस पहुंचे। यहां उन्होंने अपनी पार्टी एनसीपी - एससीपी के नवनिर्वाचित विधायकों और सांसदों से मुलाकात की। पवार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की। जयंत पाटिल बोले- महाराष्ट्र में एनसीपी शरद चंद्र पवार गुट शरद पवार के नेतृत्व में 10 सीटों पर लड़े, जिसमें 8 पर जीत मिली। महा विकास अघाड़ी की सभी पार्टियों ने मिलकर चुनाव लड़ा। उद्धव ठाकरे, शरद पवार और राहुल गांधी के सहयोग से जीत संभव हुई। सभी 8 सांसदों को बुलाया गया था, जिसमें से सुप्रिया सुले और निलेश लंके ने आने में असमर्थता जताई थी।

शाहिद अफरीदी ने दिया गोलमोल जवाब

नई दिल्ली। आयरलैंड के खिलाफ भारत की बेहतरीन जीत के बाद अब टीम इंडिया की अग्निपरीक्षा 9 जून को होने वाली है। जहां रोहित शर्मा की अगुवाई में भारतीय टीम अपनी चिर परिचित प्रतिद्वंद्वी टीम पाकिस्तान से टकराएगी। फिलहाल ग्रुप ए में टीम इंडिया टॉप पर काबिज है। वहीं न्यूयॉर्क में होने वाले इस मुकाबले का हर कोई इंतजार कर रहा है। हालांकि, कई बार भारत पाकिस्तान को टी20 वर्ल्ड कप में धूल चटा चुका है। वहीं पूर्व पाकिस्तान ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी का मानना है कि भारत और पाकिस्तान दोनों ही क्रिकेट की सबसे कंपीटिटिव टीमें हैं जो टीम 9 जून को न्यूयॉर्क के मैदान में दबाव से बेहतर तरीके से निपटेगी, वही जीत दर्ज करेगी। इन दोनों टीमों के बीच मुकाबला पहली बार अमेरिका में होगा। वहीं पाकिस्तान के पूर्व कप्तान दर्शकों के बीच बैठकर इसके गवाह बनेंगे। टी20 वर्ल्ड कप के एम्बेसडर अफरीदी ने आईसीसी से कहा कि, वे अमेरिका जाना चाह रहे हैं, उन्हें पता होना चाहिए कि भारत के खिलाफ पाकिस्तान का मैच हमारे सुपर बाउल की तरह है। अफरीदी ने आगे कहा कि, मुझे भारत के खिलाफ खेलना पसंद था और मेरा मानना है कि ये खेल में सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्विता है।

जब मैं उन मुकाबलों में खेलता था, तो मुझे भारतीय फैंस से बहुत प्यार और सम्मान मिलता है।

विराट कोहली आयरलैंड के खिलाफ बतौर ओपनर हुए फ्लॉप

नई दिल्ली। स्टार बल्लेबाज विराट कोहली बुधवार को आयरलैंड के खिलाफ टी20 वर्ल्ड मैच में बतौर ओपनर उतरे लेकिन वो फ्लॉप रहे। उनके बल्ले से पांच गेंदों में महज एक रन निकला। वर्ल्ड कप में पहली बार पारी का आगाज करने वाले कोहली को मार्क अडायर ने अपने जाल में फंसाया। उन्होंने तीसरे ओवर की चौथी गेंद पर थर्ड मैन की दिशा में बेंजामिन व्हाइट को कैच थमाया। कोहली ने सस्ते में पवेलियन लौटते ही अनचाहा रिकॉर्ड बनाया। दरअसल, ये तीसरा मौका था जब आयरलैंड ने कोहली को सबसे छोटे फॉर्मेट में सिंगल डिजिट में आउट किया। आयरलैंड टी20 अंतर्राष्ट्रीय में कोहली को लगातार तीन बार सिंगल डिजिट में आउट करने वाली एकमात्र टीम है। वहीं, कोहली ने टी20 वर्ल्ड कप में रन चेज करते हुए पहली बार सिंगल डिजिट में अपना विकेट गंवाया। ये उनका टी20 वर्ल्ड कप में सबसे कम स्कोर है। बता दें कि भारत ने आयरलैंड को 8 विकेट से रौंद दिया।

इस मामले में रोहित शर्मा ने तोड़ा एमएस धोनी का बड़ा रिकॉर्ड

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 के अपने पहले ही मैच में इतिहास रच दिया। रोहित टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में भारत के सबसे सफल कप्तान बन गए हैं। उन्होंने इस दौरान पूर्व कप्तान एमएस धोनी का सालों पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया है। रोहित ने ये उपलब्धि आयरलैंड के खिलाफ मैच में हासिल की है। भारत ने आयरलैंड को 8 विकेट से हराकर टी20 वर्ल्ड कप में अपने अभियान का आगाज धमाकेदार अंदाज में किया। रोहित टी20 वर्ल्ड कप में पहले एडिशन 2007 से लेकर लगातार 9वें सीजन में भी खेल रहे हैं। रोहित शर्मा का ये संभवत: आखिरी टी20 वर्ल्ड कप हो सकता है। रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम ने टी20 मैच में 42वीं जीत दर्ज की है। रोहित ने 55 मैचों में ये उपलब्धि हासिल की, एमएस धोनी के नाम 72 मैचों में 41 जीत दर्ज है। टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में ओवरऑल बतौर कप्तान सबसे ज्यादा जीत का रिकॉर्ड पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम के नाम है। बाबर 46 जीत के सात नंबर वन पर हैं जबकि युगांडा के ब्रायन मसाबा और इंग्लैंड के पर्व कप्तान इयोन मोर्गन 44 जीत के साथ दूसरे और तीसरे नंबर पर हैं।

इस लिस्ट में रोहित चौथे नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं आयरलैंड के खिलाफ मुकाबले में रोहित शर्मा ने धमाकेदार अर्धशतक जड़ा। उन्होंने 37 गेंदों पर 52 रन की पारी खेली।

यह निश्चित तौर पर मानसिकता से जुड़ा है, भारत के आईसीसी खिताब नहीं जीत पाने पर बोले पोंटिंग

नई दिल्ली। रिकी पोंटिंग की कप्तानी वाली आस्ट्रेलियाई टीम को आईसीसी टूर्नामेंटों में सही समय पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का शऊर बखूबी आता था और दो बार के विश्व कप विजेता कप्तान का मानना है कि भारत को भी आईसीसी खिताब का सूखा दूर करने के लिये मानसिक बाधाओं से पार पाकर ऐसा ही कुछ करना होगा। क्रिकेट की महाशक्ति भारत ने आखिरी बाद 2013 में चैम्पियंस ट्रॉफी के रूप में आईसीसी खिताब जीता था। भारतीय टीम ने टी20 विश्व कप में न्यूयॉर्क में आयरलैंड को हराकर शानदार शुरूआत की। न्यूयॉर्क से पीटीआई से बातचीत में पोंटिंग ने कहा कि भारतीय टीम को अपने प्रशंसकों के जबर्दस्त दबाव से निपटने का तरीका तलाशना होगा। उन्होंने कहा ,'' आपको स्पष्ट रहना होगा कि आपका फोकस टूर्नामेंट पर है , ना कि बाहरी दबाव के बारे में चिंता करने पर या बहुत अधिक आगे की सोचने पर।'' उन्होंने कहा ,'' भारतीय टीम में प्रतिभा की कमी नहीं है लेकिन हमें यह भी नहीं भूलना चाहिये कि विश्व कप

जीतना आसान नहीं होता। एक ही समय में दुनिया के सभी सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी इसमें खेलते हैं।'' ऑस्ट्रेलिया को बतौर कप्तान 2003 और 2007 विश्व कप दिलाने वाले पोंटिंग ने कहा ,''इसका संबंध मानसिकता से है। आप दबाव का सामना कैसे करते हैं। दबाव के हालात में आप कैसे सोचते हैं, इसी में जीत और हार का अंतर होता है।'' उन्होंने कहा ,'' विश्व कप में आपके सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को हर समय अच्छा खेलना होता है।

आस्ट्रेलियाई टीमें बड़े टूर्नामेंटों में सही समय पर अच्छा प्रदर्शन करना जानती रहीं हैं।'' छह महीने पहले आस्ट्रेलिया ने सही समय पर अच्छा प्रदर्शन करते हुए पैट कमिंस की कप्तानी में वनडे विश्व कप जीता था। भारतीय टीम के पास आस्ट्रेलिया, इंग्लैंड या दक्षिण अफ्रीका जैसे पावर हिटर भले ही नहीं हो लेकिन पोंटिंग का मानना है कि वेस्टइंडीज के हालात में खेलने के लिये उनके पास पर्याप्त प्रतिभा है। नॉकआउट मैच वेस्टइंडीज में होने हैं। पोंटिंग ने कहा ,'' सब कुछ पावर हिटिंग ही नहीं होता, स्ट्राइक रेट भी अहम है। भारतीय बल्लेबाजों का स्ट्राइक रेट किसी से कम नहीं है। आस्ट्रेलिया के पास मार्श, स्टोइनिस, मैक्सवेल या कैमरन ग्रीन हैं तो दक्षिण अफ्रीका के पास स्टब्स, क्लासेन या डेविड मिलर हैं। इनके पास ताकत है लेकिन भारतीय टीम में देखें तो सूर्यकुमार यादव किसी भी मैदान पर रन बनाने में सक्षम है। ''उन्होंने कहा ,'' ऋषभ पंत अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। उनके पास हार्दिक पंड्या भी है। उनकी बल्लेबाजी बाकी टीमों की तरह ही खतरनाक है। मुझे लगता है कि आस्ट्रेलिया, भारत, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका सेमीफाइनल खेलेंगे। दक्षिण अफ्रीका की यह टीम काफी मजबूत लग रही है। अगर इन चारों टीमों में से कोई खिताब नहीं जीतता है तो मुझे हैरानी होगी।

अर्शदीप सिंह का बयान, कहा- सीम डालने की पूरी कोशिश की लेकिन गेंद स्विंग ले रही थी

नई दिल्ली। तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने कहा कि आयरलैंड के खिलाफ मैच में उन्होंने अपनी रणनीति पर अडिग रहने पर ही फोकस किया चूंकि 'ड्रॉप इन' पिच पर गेंद पर नियंत्रण रख पाना कठिन हो रहा था। भारत ने आयरलैंड को 16 ओवर में 96 रन पर समेटने के बाद 12 . 2 ओवर में लक्ष्य हासिल किया। अर्शदीप ने स्वीकार किया कि स्विंग पर नियंत्रण रखना मुश्किल हो रहा था और उन्होंने इसके लिये जसप्रीत बुमराह से सलाह ली। उन्होंने कहा ,'' मैने डगमगाती सीम से गेंद डालने की पूरी कोशिश की लेकिन गेंद इतनी स्विंग हो रही थी कि यह हो नहीं पा रहा था। मेरी कई गेंद वाइड गई।'' पांच वाइड गेंद डालने वाले अर्शदीप ने सलामी बल्लेबाज एंडी बालबर्नी और कप्तान पॉल स्टर्लिंग के विकेट लिये। अर्शदीप ने कहा ,' जस्सी भाई (बुमराह) के पास काफी अनुभव है और वे हमें कहते रहते हैं कि विकेट के पीछे मत भागो। सही जगह पर गेंद डालो। इससे चाहे रन रोकने में मदद मिले या विकेट मिले।'' उन्होंने कहा ,'' नियंत्रण का मतलब है कि लालच में नहीं पड़ना है और विकेट के पीछे नहीं भागना है। आसमान में बादल घिरे थे और गेंद स्विंग ले रही थी। शुरूआत में रणनीति यही थी कि इसका फायदा उठाना है और अगर आयरलैंड के बल्लेबाज गलती करते हैं तो हमें विकेट भी मिल जायेंगे।''नासाउ काउंटी की पिच को लेकर काफी आलोचना हो रही है। अर्शदीप ने कहा ,'' मैं यहां आईपीएल खेलने के बाद आया हूं जिसमें 240 रन भी बन रहे थे। जब हम पिच की बात करते हैं तो फोकस इस पर रहना चाहिये कि हमारे नियंत्रण में क्या है क्योंकि पिच तो दोनों टीमों के लिये समान है। जो टीम बेहतर करेगी, उसे बेहतर नतीजा मिलेगा।'' उन्होंने इन खबरों का भी खंडन किया कि ड्रेसिंग रूम में सावधान होकर खेलने की बात चल रही थी ताकि चोटों से बचा जा सके। उन्होंने कहा ,'' इस तरह की कोई बात नहीं हुई। टूर्नामेंट के बीच में हालात के बारे में नहीं सोचा जाता। अगर कैच लेना है तो लेना है। हम यह नहीं सोचते कि चोट से बचना है। हम हर मैच में इसी तरह खेलेंगे। सामने कौन सी टीम है, इससे फर्क नहीं पड़ता।

पाकिस्तान की शिकायत के बाद आईसीसी ने न्यूयॉर्क में टीम का होटल बदला

इस्लामाबाद। आईसीसी ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की शिकायत के बाद पाकिस्तान टीम का न्यूयॉर्क में होटल बदल दिया है। पीसीबी ने शिकायत की थी कि टी20 विश्व कप के दौरान होटल से स्टेडियम जाने में 90 मिनट का समय लगता है। पीसीबी के एक सूत्र ने बताया कि अध्यक्ष मोहसिन नकवी के दखल के बाद पाकिस्तान टीम को दूसरे होटल में भेज दिया गया जो मैदान से सिर्फ पांच मिनट की दूरी पर है। पाकिस्तान को रविवार को न्यूयॉर्क में भारत से खेलना है और 11 जून को कनाडा से सामना होगा। भारतीय टीम को तीन ग्रुप मैच न्यूयॉर्क में खेलने हैं और उसका टीम होटल मैदान से दस मिनट की दूरी पर है। भारत ने आयरलैंड के खिलाफ पहला मैच जीत लिया है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले मैच में 77 रन पर आउट हुई श्रीलंकाई टीम होटल से स्टेडियम की दूरी को लेकर पहले ही चिंता जता चुकी है।

अब भी पंड्या हैं नताशा, इंस्टाग्राम पर तस्वीर पोस्ट कर लगाया तलाक की खबरों पर ब्रेक

नई दिल्ली। भारतीय स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या और नताशा स्टेनकोविक के तलाक को लेकर पिछेल काफी समय से अफवाहें आ रही हैं। दोनों में किसी ने भी इसे लेकर कोई बयान जारी नहीं किया। हालांकि नताशा ने बुधवार को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी से इशारा दे दिया की उनकी जिंदगी में पंड्या सरनेम अहम है। वह अब तक हार्दिक पंड्या से अलग नहीं हुई हैं। नताशा ने बुधवार को अपने इंस्टाग्राम पर स्टोरी डाली जिसमें वह अपने और हार्दिक पंड्या के पालतू कुत्ते के साथ नजर आ रही थी। कुत्ते ने स्वेटर पहना हुआ था जिसपर पांडा बना हुआ था। वहीं नताशा ने तस्वीरे के कैप्शन में लिखा, इस स्टोरी में न सिर्फ नताशा ने पंड्या सरनेम का इस्तेमाल किया बल्कि ये भी इशारा दे दिया कि वह हार्दिक के ही घर में रह रही हैं। नताशा स्टेनकोविक तलाक की अफवाहों के बीच सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं वह अपने काम से जुड़े पोस्ट कनरे के अलावा बेटे अगसत्या के साथ भी पोस्ट शेयर कर रही हैं। हार्दिक और नताशा एक दूसरो को अभ भी फॉलो कर रहे हैं। सिर्फ इतना ही नहीं हार्दिक के परिवार के लोग भी नताशा को फॉलो कर रहे हैं और लगातार उनकी पोस्ट पर कमेंट कर रहे हैं। गौरतलब है कि, हार्दिक पंड्या ने जनवरी 2020 में नताशा स्टेनकोविक से सगाई की थी। उन्होंने क्रूज पर नताशा को शादी के लिए प्रपोज किया था। महज सात महीने के अंदर दोनों माता-पिता बने। उनके बेटे अगसत्य का जन्म हुआ। इसके बाद पिछले साल फरवरी में दोनों ने ईसाई और हिंदु रिति-रिवाजों से शादी भी की।

हरफनमौला स्टोइनिस के शानदार प्रदर्शन से आस्ट्रेलिया ने ओमान को हराया

ब्रिजटाउन। मार्कस स्टोइनिस के आक्रामक अर्धशतक और तीन विकेट की बदौलत गत चैम्पियन आस्ट्रेलिया ने टी20 विश्व कप में अपने अभियान का आगाज बृहस्पतिवार को ओमान पर 39 रन से जीत के साथ किया। स्टोइनिस ने 36 गेंद में नाबाद 67 रन बनाये जिसकी मदद से आस्ट्रेलिया ने पांच विकेट पर 164 का स्कोर बनाया। डेविड वॉर्नर ने भी 56 रन की पारी खेली। इसके बाद स्टोइनिस ने तीन ओवर में 19 रन देकर तीन विकेट चटकाये। ओमान की टीम 20 ओवर में नौ विकेट पर 125 रन ही बना सकी। आस्ट्रेलिया के लिये नाथन एलिस ने 28 रन देकर और आईपीएल स्टार मिचेल स्टार्क ने 20 रन देकर दो दो विकेट लिये। स्टार्क ने ओमान की पारी की तीसरी गेंद पर प्रतीक अठावले (0) को आउट कर दिया। मैदानी अंपायर द्वारा नॉट आउट दिये जाने के बाद आस्ट्रेलिया ने डीआरएस लिया जिसमें फैसला उसके पक्ष में रहा। एलिस ने कश्यप प्रजापति (सात) को पगबाधा आउट किया जिस पर ओमान ने रिव्यू लिया लेकिन नाकामी हाथ लगी। स्टोइनिस ने पावरप्ले की आखिरी गेंद पर ओमान के कप्तान आकिब इलयास (18) को आउट किया जिनका कैच विकेट के पीछे मैथ्यू वेड ने लपका। स्टोइनिस ने जीशान मकसूद (1) को आठवें ओवर में पवेलियन भेजा। अयान खान ने 30 गेंद में दो चौकों और दो छक्कों की मदद से 36 रन बनाये और सातवें विकेट के लिये 37 रन की साझेदारी की। इससे पहले बल्लेबाजी के लिये भेजे जाने पर आस्ट्रेलिया ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 164 रन बनाये। ट्रेविस हेड (12) और कप्तान मिचेल मार्श (14) सस्ते में आउट हो गए। अनुभवी हरफनमौला ग्लेन मैक्सवेल का खराब फॉर्म जारी

रहा जो खाता भी नहीं खोल सके। मेहरान की गेंद पर इलयास ने उनका बेहतरीन कैच लपका। स्टोइनिस और वॉर्नर ने चौथे विकेट के लिये 64 गेंद में 102 रन जोड़े। आस्ट्रेलिया का स्कोर एक समय तीन विकेट पर 50 रन था जिसके बाद इन दोनों ने पारी को संभाला।

वॉर्नर 56 रन की पारी के साथ ही टी20 क्रिकेट में आस्ट्रेलिया के लिये सर्वाधिक रन (3,120)बनाने वाले बल्लेबाज हो गए जिन्होंने पूर्व कप्तान आरोन फिंच को पछाड़ा। दूसरी ओर स्टोइनिस ने 36 गेंद की अपनी पारी में दो चौके और छह छक्के लगाये। ओमान के लिये मेहराल खान ने दो विकेट लिये जबकि बिलाल खान और कलीमुल्लाह को एक एक विकेट मिला। इलयास ने चार ओवर में सिर्फ 18 रन दिये लेकिन उन्हें विकेट नहीं मिल सकी।

इंडिया और पाक मुकाबले के लिए फिट हैं कप्तान रोहित शर्मा

नई दिल्ली। न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी स्टेडियम में भारतीय टीम ने आयरलैंड को हराकर अपना पहला मैच जीता, लेकिन इस बीच पिच को लेकर लगातार सवाल खड़े हो रहे हैं। खुली दरारों के चलते पिच खतरनाक साबित हो रही है, जिसके चलते रहले भारतीय कप्तान रोहित शर्मा चोटिल हुए। उसके बाद ऋषभ पंत की कोहनी में गेंद लगी, हालांकि उन्होंने अपना खेल जारी रखते हुए छक्का लगाकर मैच खत्म किया। वहीं रोहित शर्मा के कंधे में चोट लगने के कारण वह रिटायर हर्ट हो गए। बीसीसीआई के एक सूत्र ने पीटीआई को बताया कि रोहित शर्मा की चोट ज्यादा गंभीर नहीं है और पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले के लिए वह फिट हैं। सूत्र ने कहा कि, रोहित शर्मा की चोट गंभीर नहीं है। उन्होंने खुद कहा था कि ये थोड़ी ही दर्द वाली है। फिलहाल उन्हें पाकिस्तान मैच के लिए ठीक होना चाहिए। उससे पहले दो अभ्यास सत्र हैं। न्यूयॉर्क स्टेडियम की पिच को लेकर विशेषज्ञों ने भी अपनी-अपनी राय दी है और इसे सही नहीं बताया। इस बीच, भारतीय टीम प्रबंधन द्वारा पिचा को लेकर शिकायत नहीं करने की संभावना है। भारतीय टीम से जुड़े करीबी सूत्र ने बताया कि, ये वास्तव में एक बहुत ताजा पिच है। यहां उजली घास तो है लेकिन साथ में बड़ी-बड़ी दरारें भी हैं। तो ये सीम करेगा लेकिन लेंथ से उछाल भी खाएगा। अब जब आपके पास इस तरह का एक ताजा ट्रैक होता है तो आप सबसे पहले कुछ गेम आजमाते हैं, जैसे आप किसी नए ऐप के साथ बीटा परीक्षण करते हैं। फिर आप इसे बाजार में उतारतें हैं। ये टी20 विकेट नहीं है और चारों ट्रैक एक जैसे दिखते हैं। सूत्र ने कहा कि, खुशी होनी चाहिए कि रोहित और ऋषभ पंत को कुछ भी गंभीर नहीं हुआ। वे ठीक हैं। इसके अलावा दरार भरी पिच के चलते आयरलैंड के हैरी टेक्टर के पहले ग्लव्स और फिर हेलमेट में जसप्रीत बुमराह की गेंद लगी।

पोक में जन्में इस ऑलराउंडर ने दिलाई यूगांडा को जीत

नई दिल्ली। यूगांडा ने आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024 में अपनी पहली जीत दर्ज की है। उसने गुयाना के प्रोविडेंस स्टेडियम में खेले गए टी20 वर्ल्ड कप 2024 के ग्रुप सी के मुकाबले में पापुआ न्यू गिनी को 3 विकेट से हराया। यूगांडा ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया। उसका ये फैसला तब सही साबित हुआ जब पापुआ न्यू गिनी की पूरी टीम 19.1 ओवर में महज 77 रन ही बना पाई और ऑलआउट हो गई। यूगांडा के अनुभवी स्पिनर फ्रैंक नसुबुगा ने गुयाना में इतिहास रच दिया। 43 साल की उम्र में अपने पहले टी20 वर्ल्ड कप में नसुबुगा ने सिर्फ 4 रन देकर 2 विकेट लिए। पुरुष टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में किसी भी गेंदबाज द्वारा दिए गए 4 रन सबसे कम हैं। इससे पहले टूर्नामेंट में श्रीलंका के खिलाफ साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज एनरिक नॉर्खिया ने 4 ओवर में 7 रन दिए थे। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए यूगांडा ने 18.2 ओवर में 7 विकेट पर 78 रन बनाकर मैच अपने नाम किया। हालांकि, एक समय यूगांडा ने महज 6.3 ओवर में 26 रन के स्कोर पर 5 विकेट गंवा दिए थे। उस समय ऐसा लग रहा था कि वह 78 रन का लक्ष्य भी हासिल नहीं कर पाएगा। लेकिन पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के गिलगिल में जन्में ऑलराउंडर रियाजत अली शाह ने 56 गेंद में 33 रन बनाकर टीम को जीत की दहलीज पर पहुंचाया। खास ये है कि पापुआ न्यू गिनी के खिलाफ यूगांडा की ये पहली जीत भी है। जीत की नींव उसके गेंदबाजों ने रखी।

पति की दीर्घायु के लिए महिलाओं ने रखा व्रत

वट वृक्ष की पूजा कर मांगा अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। ज्येष्ठ मास की अमावस्या पर गुरुवार को महिलाओं ने अखंड सौभाग्य की कामना से व्रत रखा और वट वृक्ष की पूजा अर्चना कर पति की दीर्घायु का आशीर्वाद मांगा।

शहर के अलग-अलग स्थानों पर वट वृक्षों के नीचे सुबह से ही महिलाओं की भीड़ जमा होने लगी थी। महिलाओं ने वट वृक्ष की पूजा कर भोग प्रसाद चढ़ाया, कच्चा सूत लपेट कर परिक्रमा लगाई और धूप - दीप दिखा कर अखंड सौभाग्य के आशीर्वाद की प्रार्थना की। इस दिन महिलाओं ने व्रत रखा और वट वृक्ष की पूजा अर्चना के साथ ही दान पुण्य भी किया।

इस बार वट सावित्री का यह व्रत गुरुवार के दिन पड़ने से विशेष संयोग लेकर आया। ज्येष्ठ मास की अमावस्या को बड़ी अमावस्या माना जाता है, इसी दिन शनि देव की जयंती भी मनाई जाती है। गुरुवार का दिन भगवान विष्णु का प्रिय दिन है।

शास्त्रों में कहा गया है कि वट वृक्ष में ब्रह्मा, विष्णु और महेश तीनों देवता निवास करते हैं। ज्येष्ठ मास की अमावस्या पर वट वृक्ष की पूजा कर महिलाएं तीनों लोकों के स्वामी तीनों देवों से पति की दीर्घायु का आशीर्वाद मांगती हैं।

कुएं में दम घुटने से 3 ग्रामीणों की मौत, दो हुए बेहोश, गाय को निकालने उतरे थे कुए में

सतना के उमरी गांव की घटना

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना केउमरी गांव में बुधवार की रात कुएं के अंदर दम घुटने से तीन ग्रामीणों की मौत हो गई, जबकि दो बेहोश हो गए। ये लोग कुएं में गिर गई एक गाय को निकालने उसकी जान बचाने कुएं में उतरे थे लेकिन खुद की जान गवां बैठे। सूचना मिलते ही एसडीएम, एसडीओपी भी मौके पर पहुंच गए।

जानकारी के मुताबिक बुधवार की रात नागौद क्षेत्र के उमरी गांव के एक कुएं में एक गाय गिर गई थी। उस गाय को कुएं से बाहर निकालने के लिए विष्णु, रामरतन और अशोक कुएं में उतरे थे। काफी देर तक जब वे तीनों बाहर नहीं निकले तो रंजीत दाहिया और एक अन्य युवक नीचे उतरे। लेकिन उनका दम घुटने लगा है तो वे आधे रास्ते से ही वापस लौट आए और अचेत हो गए। उस वक्त कुएं के आसपास तेज दुर्गंध भी आ रही थी। उनकी हालत देख कर ग्रामीणों ने इसकी सूचना नागौद पुलिस को दी और सन्देह जताया कि कुएं से किसी गैस का रिसाव हो रहा है।

सूचना मिलने पर एसडीएम एपी द्विवेदी, एसडीओपी विदिता डागर और टीआई नागौद अशोक पांडेय पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। चेन माउंटेन मशीन मंगा कर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। काफी देर तक चली मशक्कत के बाद कुएं से विष्णु दहायत(24), रामरतन दहायत(22) और अशोक सिंह को बाहर तो निकाल लिया गया लेकिन तब तक तीनों की सांसें थम चुकी थीं। गाय की भी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने तीनों के शव रात में ही पोस्टमॉर्टम के लिए मॉर्चरी भेज दिए थे। एक साथ तीन मौतों के बाद उमरी गांव में मातम पसरा है।

अनुपयोगी था कुआं: उमरी गांव में स्थित यह कुआं अनुपयोगी था। उसमें पानी कम था और पेड़ की पत्तियों का ढेर भी उसमें गिरता रहता था। गांव के लोग इस कुएं के पानी उपयोग नहीं करते थे बावजूद इसके इसे बंद नहीं किया गया था। आशंका जताई जा रही है कि कुएं के पानी में पेड़ की पत्तियों और कचरे के ढेर के कारण जहरीली गैस बनने लगी थी। कुएं में नीचे उतरे तीनों लोग इसी जहरीली बदबू के फेर में फंस गए, जिससे उनका दम घुट गया और उनकी मौत हो गई। हालांकि मौत की असल वजह पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में ही स्पष्ट हो सकेगी। उधर, प्रशासन ने भी अपने स्तर पर जांच शुरू करा दी है। एसडीएम ने अनुपयोगी कुएं को बंद करने के निर्देश दिए हैं।

जल-स्त्रोतों के आस-पास वृक्षा रोपण को प्रोत्साहित किया जाए

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि 5 जून से प्रदेश में आरंभ जल गंगा संवर्धन अभियान में जल-स्रोतों के संरक्षण और साफसफाई के साथ-साथ इन स्थानों पर वृक्षारोपण को प्रोत्साहित किया जाए। प्रदेश में अभियान अवधि में 5 करोड़ 50 लाख पौधे रोपने का लक्ष्य है, संपूर्ण प्रदेश में जन भागीदारी से पौधे लगाए जाएंगे। जल-गंगा संवर्धन अभियान, गंगा दशमी के बाद भी जारी रहेगा, सभी स्थानीय निकाय अपने-अपने स्तर पर अभियान संबंधी गतिविधियां संचालित करेंगे। हरियाली अमावस्या के बाद सघन रूप से पौधरोपण की गतिविधियां संचालित की जाएंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल में छोटे तालाब की साफसफाई के लिए नगर निगम भोपाल द्वारा जन-भागीदारी से चलाए जा रहे अभियान की सराहना करते हुए कहा कि प्रदेश में वॉटर स्पोर्ट्स को प्रोत्साहित किया जाएगा। भोपाल के साथ-साथ इंदौर और उज्जैन में भी वॉटर स्पोर्ट्स की गतिविधियां संचालित की जा रही हैं, अगले ओलंपिक में पदक लाना हमारा लक्ष्य होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव जल स्रोतों के संरक्षण और पुनर्जीवन के लिए चलाये जा रहे जल-गंगा संवर्धन अभियान के दूसरे दिन भोपाल के छोटे तालाब की स्वच्छता के लिए श्रमदान करने के बाद सभा को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्र म में खेल एवं युवा कल्याण तथा सहकारिता मंत्री श्री विश्वास सारंग, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर, नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी, विधायक श्री रामेश्वर शर्मा, विधायक श्री भगवान दास सबवानी तथा अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

मध्यप्रदेश देश की नदियों का केन्द्र बिन्दु है: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय संस्कृति में नदी, पर्वत और पृथ्वी में जीवन माना गया है। मध्यप्रदेश देश की नदियों का केन्द्र बिन्दु है। यहाँ से सभी दिशाओं में बहने वाली नदियों की उत्पत्ति होती है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेई के नदी जोड़ो अभियान की संकल्पना को मूर्तरूप देते हुए केन-बेतवा लिंक परियोजना को स्वीकृति प्रदान कर राज्य सरकार को 45 हजार करोड़ तथा उत्तरप्रदेश सरकार को 45 हजार करोड़ रुपये उपलब्ध कराये हैं। इस परियोजना से बुंदेलखंड की धरती को सिंचाई की सुविधा मिलेगी और वहाँ जीवन सरल होगा।

राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी आज सतना आयेंगी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। प्रदेश की नगरीय विकास एवं राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी 7 जून को प्रातः 6:40 बजे रेवांचल एक्सप्रेस से सतना आयेंगी।

अतिवर्षा एवं बाढ़ की स्थिति से निपटने तैयारी बैठक 10 को

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले में आगामी वर्षा ऋतु में अति वर्षा एवं बाढ़ की स्थिति से निपटने की पूर्व तैयारी के लिये बैठक कलेक्टर अनुराग वर्मा की अध्यक्षता में 10 जून को प्रातः 10.30 बजे संयुक्त कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की गई है। कलेक्टर श्री वर्मा ने सभी संबंधित अधिकारियों को बैठक में जानकारी सहित अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिये हैं।

नगर निगम इंजीनियर रिश्वत लेते रंगे हाथ ट्रैप

लोकायुक्त ने जोनल ऑफिस में दबिश देकर गिरफ्तार किया, ठेकेदार से लिए थे 11 हजार

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। लोकायुक्त रीवा की टीम ने दबिश देकर गुरुवार को सतना नगर निगम के सब इंजीनियर को रिश्वत लेते रंगे हाथों ट्रैप किया है। आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। लोकायुक्त की इस कार्रवाई से नगर निगम के अमले में हड़कंप मच गया है।

दोपहर के समय लोकायुक्त रीवा की टीम ने नगर निगम सतना के लालता चौक के समीप स्थित जोन क्रमांक 2 के कार्यालय में दबिश देकर सब इंजीनियर एवं जोन अधिकारी राजेश गुप्ता को 11 हजार रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। सब इंजीनियर राजेश गुप्ता ने रिश्वत की रकम जोन ऑफिस में ठेकेदार इमाम खान से अपने चेम्बर में ली थी। बताया गया कि जवाहर नगर निवासी ठेकेदार इमाम खान पिता शेर खान ने नगर निगम में शहर की नालियां ढंकने के लिए प्री कास्ट कवर बनाने का ठेका लिया था। इस काम का उसका 11 लाख रुपए का बिल बना था जिसके भुगतान की फाइल सब इंजीनियर राजेश गुप्ता के पास थी। इमाम खान ने बताया कि सब इंजीनियर ने उससे 11 लाख रुपए के बिल के एवज में 3 फीसदी यानी 33 हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी। उसने 22 हजार रुपए सब इंजीनियर को दे भी दिए थे लेकिन भुगतान फिर भी नहीं हुआ था।

सब इंजीनियर ने उससे 11 हजार रुपए और मांगे थे। इमाम ने इसकी शिकायत लोकायुक्त रीवा से कर दी। शिकायत की तस्दीक के बाद गुरुवार की दोपहर लोकायुक्त की 10 सदस्यीय टीम डीएसपी राजेश खेड़ा एवं डीएसपी प्रमेन्द्र कुमार के नेतृत्व में सतना पहुंच गई। जोन कार्यालय में जैसे ही इमाम ने रिश्वत के 11 हजार रुपए सब इंजीनियर राजेश गुप्ता को थमाए, लोकायुक्त की टीम ने सब इंजीनियर को रंगे हाथ दबोच लिया।

पत्नी पहुंची सर्किट हाउस तो मचाने लगा शोर: लोकायुक्त की टीम सब इंजीनियर को अन्य औपचारिकताओं को पूरा करने के लिए जोन ऑफिस से सर्किट हाउस ले आई। सब इंजीनियर की प%ी राखी गुप्ता को पति के ट्रैप होने की जानकारी मिली तो वो भी सर्किट हाउस पहुंच गईं। पत्नी को देखते ही सब इंजीनियर शोर मचाने लगा। खुद को बेगुनाह बताते हुए कहने लगा कि इमाम खान की फाइल पहले ही पास हो चुकी है, उसने किसी से कोई रकम नहीं मांगी थी, उसे साजिशन फंसाया जा रहा है। उसने लोकायुक्त की टीम से भी कहा कि वो उसे सीधे जेल में डाल दें। पत्नी ने कमरे के अंदर जाने का प्रयास किया लेकिन उन्हें बाहर ही रोक दिया गया।

गौरतलब है कि सब इंजीनियर राजेश गुप्ता की पत्नी राखी गुप्ता सतना जिला पंचायत में कार्यरत हैं और मध्यान्ह भोजन शाखा का काम देखती हैं। इससे पहले भी सब इंजीनियर के कई बार कई लोगों से विवाद हुए हैं। मामला थाने भी पहुंचा है, तब राखी गुप्ता थाने भी पहुंच गई थीं।

जल गंगा संवर्धन अभियान की गतिविधियां जारी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। प्रदेश के साथ ही सतना और मैहर जिले में जल संरचनाओं के संरक्षण के लिये जनभागीदारी एवं जनसहयोग से जल गंगा संवर्धन अभियान की गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी कड़ी में गुरुवार को मैहर जिले के संकुठा तालाब को स्वच्छ बनाने जन अभियान परिषद, समाजेसवी संस्थाओं एवं स्थानीय नागरिकों ने श्रमदान करते हुये तालाब में एकत्र मलबे को निकालने के कार्य में सहयोग किया।

इसी प्रकार उचेहरा विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत सेमरी में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत तालाब की गाद निकासी कराई गई। जिसमें ग्रामीणों ने बढ़चढ़ कर सहभागिता निभाई। इस मौके पर जनपद सीईओ प्रभा टेकाम, एसडीओ सलिल सिंह, एपीओ मनीषा कुरील, उपयंत्री राकेश ताम्रकार, सरपंच सीमा राजन सिंह सहित ग्रामीणजन उपस्थित रहे। जनपद के अधिकारियों द्वारा स्थानीय जनों को अभियान के बारे में बताया गया कि पर्यावरण संतुलन को बनाए रखने के लिए प्रकृति के संरक्षण की जरूरत है। शासन द्वारा जल संरचानाओं के संवर्धन एवं संरक्षण को जन-जन का अभियान बनाने जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। सभी सामाजिक, शासकीय, अशासकीय संस्थाओं, जल गंगा संवर्धन अभियान में शामिल होकर इसे सफल बनाने में सहयोग करें। पेयजल की आपूर्ति में नदियां, बावड़ियां, कुएँ व तालाब महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अभियान के अंतर्गत जल स्त्रोतों जैसे कुएं, बावड़ी, नदी-नालों आदि की सफाई करने की काम किया जा रहा है।

रीवा पुलिस अस्थियों से बरामद करेगी गोली

शरीर में गहराई में फंसी गोली, पोस्टमॉर्टम में नहीं की जा सकी बरामद

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा में गोली मारकर व्यक्ति की हत्या के मामले में पोस्टमॉर्टम के दौरान गोली बरामद नहीं की जा सकी है। इसलिए पुलिस अब परिजनों की अनुमति लेकर अस्थियों में गोली खोजने का काम करेगी। ताकि उसे साक्ष्य के तौर पर प्रस्तुत किया जा सके। पूरा मामला रीवा के जवा थाना क्षेत्र अंतर्गत जनकहाई गांव का है। जहां 3 और 4 मई की दरमियानी रात दो गुटों में हुए विवाद के बाद एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई। हत्या के बाद आरोपी फरार हो गए थे। जिन्हें पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

रीवा एसपी विवेक सिंह ने बताया कि मृतक राम शिरोमणि मांझी का नाती गांव के ही पटेल परिवार के यहां ट्रैक्टर चलाता था। रात में ट्रैक्टर चलाने को लेकर हुए विवाद के बाद मृतक के नाती के साथ मारपीट की गई। जिसकी सूचना उसके परिजनों को मिली तो दोनों पक्षों के बीच विवाद हो गया। देखते ही देखते मारपीट की स्थिति निर्मित हो गई। विवाद के बीच एक व्यक्ति ने गोली चला दी। गोली राम शिरोमणि मांझी के सीने में जा लगी। पूरे मामले में पुलिस ने दिलीप पटेल और रिंकू पटेल को गिरफ्तार किया है। जबकि आरोपी अनिल पटेल चोटिल है। जिसका इलाज किया जा रहा है। गोली पोस्टमॉर्टम के दौरान निकाल ली जाती है। लेकिन इस मामले में गोली शरीर की काफी गहराई में थी। जिस वजह से निकाली नहीं जा सकी है। अगर परिजन अनुमति देंगे तो साक्ष्य के तौर पर प्रस्तुत करने के लिए अस्थियों से गोली बरामद की जाएगी।

रीवा की छात्रा ने कोटा में की आत्महत्या, नीट में कम मार्क्स आने पर थी डिप्रेशन में, 5वीं मंजिल से कूदी

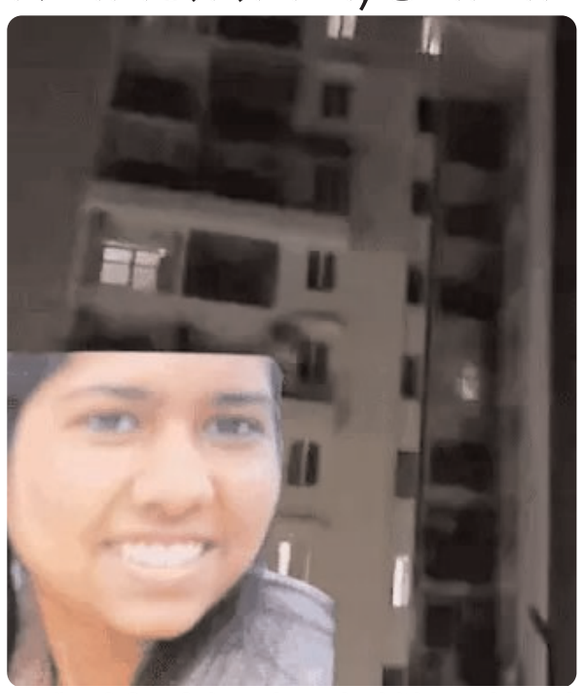

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा की रहने वाली छात्रा ने कोटा में बिल्डिंग की 9वीं मंजिल से कूदकर सुसाइड कर लिया। एक दिन पहले ही नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट नीट का रिजल्ट आया है। कम मार्क्स आने से छात्रा डिप्रेशन में थी। वह कोटा में मां और भाई के साथ जवाहर नगर इलाके में रहती थी। 18 साल की बगिशा तिवारी रीवा के अनंतपुर की रहने वाली थी। कोटा के जवाहर नगर थाने के प्रभारी हरि नारायण शर्मा ने बताया कि छात्रा 1 साल से पुखराज एलिमेंट बिल्डिंग की 9वीं मंजिल पर मां-भाई के साथ कमरा नंबर 503 में रहती थी। भाई 11वीं में पढ़ता है और वो भी जेईई की तैयारी कर रहा है।

कोटा में सुसाइड करने वाली छात्रा के पिता विनोद कुमार तिवारी पीडब्लयूडी विभाग में एसडीओ के पद पर पदस्थ हैं। जो मूल रूप से मऊगंज के नई गढ़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत गढ़ी गांव के रहने वाले हैं। विनोद कुमार तिवारी शहर के अनंतपुर में अपने मकान में रहते हैं। जबकि पत्नी बच्चों के साथ कोटा राजस्थान में रहती थी। वे आज सुबह 7 बजे कोटा पहुंचे। जहां से शव को लेकर रीवा के लिए निकल गए हैं।

फ्लैट की खिड़की से लगाई छलांग, मां सो रही थी: कोटा पुलिस के मुताबिक, घटना बुधवार शाम की है। जिस वक्त छात्रा ने ये कदम उठाया, उस वक्त उसकी मां सो रही थी। शाम 4 बजे बगिशा मल्टी स्टोरी बिल्डिंग में अपने फ्लैट के कमरे की खिड़की से कूद गई। स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। छात्रा को प्राइवेट हॉस्पिटल ले जाया गया, लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी। मां हार्ट पेशेंट हैं। पहले उन्हें बेटी की मौत की जानकारी नहीं दी गई। बगिशा के पिता के आने पर उन्हें बताया गया तो वे बेसुध हो गईं।

कहा था आकर खाना खाऊंगी: बगिशा के भाई पार्थ ने बताया- वह 3 साल से नीट की तैयारी कर रही थी। बुधवार सुबह हम दोनों कोचिंग गए थे। 12 बजे वापस घर आ गए थे। दोपहर 2 बजे बगिशा डाउट क्लास गई थी। उसने मां से कोचिंग से आकर खाना खाने की बात कही थी। शाम करीब 3.45 बजे उसे मैसेज करके पूछा था कि कितनी देर में आ रही है।

उसने कहा- क्लास में हूं कुछ देर में आ जाउंगी। इसके बाद मुझे भी डाउट क्लास में जाना था तो मैं भी तैयार हो रहा था। मां खाना बनाने में लग गई। कुछ देर बाद पड़ोस के लोगों ने आकर बताया कि बगिशा बिल्डिंग के नीचे गिरी हुई है।

नीट में आए थे 320 नंबर: पिता विनोद तिवारी सुबह 7 बजे कोटा पहुंचे। उन्होंने बताया- 4 जून को नीट का रिजल्ट आया था। इसमें बगिशा के 720 में से 320 नंबर आए थे। वह नीट की परीक्षा क्लियर नहीं कर पाई थी। उसके बाद 4 जून की रात को उससे बात हुई थी। मैंने उसे कहा- नंबर कम आए हैं तो कोई बात नहीं किसी प्राइवेट कॉलेज में दाखिला दिला देंगे। इस पर बगिशा ने कहा कि मैं 1 साल और तैयारी करना चाहती हूं।

रकबे के अनुसार वितरित की जाये रासायनिक उर्वरक

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कलेक्टर अनुराग वर्मा ने जिले के डबल लॉक केंद्रों से रासायनिक उर्वरक का नगद वितरण करने के संबंध में निर्देश दिये हैं कि कृषकों को उर्वरक का वितरण उनकी मूल भू-अधिकार पुस्तिका पर उर्वरक की मात्रा दर्ज करने के उपरांत किया जाये। साथ ही रासायनिक उर्वरक का वितरण कुल रकबा और बोई जाने वाली या बोई गई फसल में लगने वाली मात्रा के अनुरुप की किया जाये एवं समझाइस के साथ कॉम्प्लेक्स फर्टिलाइजर भी दिया जाये। कलेक्टर ने जिला विपणन अधिकारी राज्य सहकारी विपणन संघ को निर्देशित किया है कि प्रत्येक दिवस भंडारण, वितरण एवं शेष मात्रा की जानकारी उप संचालक कृषि तथा संबंधित अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। कलेक्टर के निर्देशानुसार अनुविभागीय अधिकारी राजस्व और कृषि द्वारा डबल लॉक केंद्रों का औचक निरीक्षण किया जायेगा। निरीक्षण में ओपनिंग बैलेंस, विक्र य मात्रा एवं शेष मात्रा का मिलान किया जायेगा। मिलान में अंतर पाया जाता है, तो इसकी जिम्मेदारी जिला विपणन अधिकारी की होगी।

माइक्रोन्यूट्रिएन्ट उर्वरक की जानकारी 3 दिवस में उपलब्ध करायें

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। उप संचालक कृषि एवं किसान कल्याण मनोज कश्यप ने बताया कि रबी वर्ष 2023-24 में जिले में माइक्रोन्यूट्रिएन्ट उर्वरक के 2 सैंपल फेल हुये हैं। जिनमें एफ्आईआर दर्ज कराई गई है। इस संबंध में सभी उर्वरक निरीक्षकों को जिले के सभी डबल लॉक केंद्र, इफ्को सेंटर एवं सेवा सहकारी समितियों (पैक्स) में भंडारित माइक्रोन्यूट्रिएन्ट उर्वरक की जानकारी 3 दिवस में उपलब्ध कराने के निर्देश दिये हैं।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।